शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 256 | गुवाहाटी | गुरुवार, 23 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

प. बंगाल विस चुनाव के प्रथम चरण और तमिलनाडु विस की सभी सीटों ... पेज 2
पीएम मोदी को आतंकवादी कहकर खड़गे ने पार की सभी सीमाएं : देवजीत पेज 3
एसओजी ने किया जालौर का गणपत लाल मालवाड़ा को गिरफ्तार पेज 5
एएम ग्रीन आईजीपीएल : शौर्य बिनु शीर्ष पर, चार खिलाड़ी कड़ी ... पेज 7

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

तुम्हे अंदर से सीखना हैं सबकुछ... । तुम्हे कोई नहीं पढ़ा सकता.., कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। अगर यह सब कोई सिखा सकता हैं तो यह केवल आपकी आत्मा हैं... ।

– स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

मणिपुर के 12 जिलों में दिखा बंद का असर, थमे पहिये

इंफाल। मणिपुर में जातीय हिंसा की तपिश और विभिन्न समुदायों के बीच पनपा आक्रोश अब सड़कों पर दिखाई दे रहा है। बुधवार को राज्य के अलग-अलग जातीय संगठनों की ओर से बुलाए गए बंद के कारण मणिपुर के -शेष पृष्ठ दो पर

छह साल बाद फिर खुलेगा भारत-चीन सीमा व्यापार

पिथौरागढ़ (हि.स.)। लिपुलेख दर्रा के माध्यम से भारत-चीन सीमा व्यापार वर्ष 2026 के जून के प्रथम सप्ताह से शुरू होकर सितंबर तक चलेगा विदेश मंत्रालय से अनुमति मिलने के बाद जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। भारत-चीन सीमा व्यापार को वर्ष 2026 में पुन: शुरू करने की तैयारियों को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी आशीष भटगांई की अध्यक्षता -शेष पृष्ठ दो पर

होर्मुज में फिर बिगड़े हालात

ईरानी सेना ने भारत आ रहे जहाज को बनाया बंधक, तीन पर की गोलीबारी

तेहरान। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर बारूद की गंध फैल गई है। बुधवार को ईरानी सेना ने अंतर्राष्ट्रीय जलसीमा से गुजर रहे तीन व्यापारिक जहाजों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इसमें एक जहाज तो भारत की ओर आ रहा था। इन हालातों में वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर संकट के बादल और गहरे हो गए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और इस्राइल के साथ ईरान की शांति वार्ता को लेकर प्रयास किए जा रहे थे। ईरान की अर्धसैनिक *रिवोल्यूशनरी गार्ड* ने बुधवार सुबह इस दुस्साहसी कार्रवाई को अंजाम दिया। खबरों के मुताबिक, ईरानी सेना ने पहले एक कंटेनर जहाज पर गोलियां चलाईं और उसके कुछ ही देर बाद दूसरे जहाज को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया का दावा है कि इन जहाजों ने सेना की चेतावनियों को नजरअंदाज किया था, इसलिए उन पर कानूनी रूप से कार्रवाई की गई। पकड़े गए जहाजों की पहचान एमएससी फ्रांसिस्का और एपामिनोड्स के रूप में हुई है, जिन्हें ईरानी सेना अपने साथ ले गई है। इसके कुछ देर बाद एक तीसरे जहाज यूफोरिया पर भी हमला किया गया, जिसके ईरानी तट पर फंसे होने की खबर है। यह हमला उस वक्त हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को खत्म होने वाले संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने

का एलान किया था। ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि इससे बातचीत का रास्ता खुलेगा। हालांकि, ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि ईरान के बंदरगाहों की घेराबंदी जारी रहेगी। ईरान इसी बात से नाराज है। ईरान के कूटनीतिज्ञों का कहना है कि जब तक अमेरिका अपनी घेराबंदी नहीं हटाता, तब तक वे किसी भी तरह की शांति वार्ता के लिए मेज पर नहीं आएंगे। यानी सीजफायर होने के बावजूद समुद्र में छिड़ी यह जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। होर्मुज में बढ़ते तनाव का सीधा असर आपकी जेब पर पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (बेंट क्रूड) की कीमत 98 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, -शेष पृष्ठ दो पर

72 घंटों के अंदर होगी शांतिवार्ता : ट्रंप

नई दिल्ली। ईरान के साथ चल रहे तनाव के बीच शांति वार्ता को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सकारात्मक संदेश दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का एक नया दौर शुक्रवार तक पाकिस्तान में हो सकता है। इस रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और कुछ अनाम पाकिस्तानी सूत्रों का हवाला दिया गया

है। रिपोर्ट के अनुसार तेहरान के साथ शांतिवार्ता पर दोनों पक्ष अगले 36 से 72 घंटों के भीतर बातचीत कर सकते। अमेरिका-ईरान के बीच शांतिवार्ता को लेकर ये खबर ऐसे समय में आई जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाने की बात कही थी। ट्रंप ने *ट्रूथ* -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभा सकता है भारत : राजनाथ

नई दिल्ली (हि.स.)। जर्मनी के तीन दिवसीय दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध पर आने वाले समय में भारत की भूमिका को लेकर बढ़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की कोशिश की है और भविष्य में ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता में भूमिका निभा सकता है। उन्होंने साफ किया कि सही समय आने पर भारत आगे आ सकता है। रक्षा मंत्री ने जर्मनी की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन बर्लिन में भारतीय समुदाय के साथ संवाद किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को जर्मनी के तीन दिन के दौरे पर बर्लिन पहुंचे। उन्हें जर्मन वायु सेना के एक खास एयरक्राफ्ट में ले जाया गया। म्यूनिख से बर्लिन की उनकी उड़ान के दौरान फाइटर जेट्स ने उन्हें एस्कॉर्ट किया। बर्लिन पहुंचने पर उन्हें सैन्य सम्मान दिया गया। इस दौरे ने वह भारत और जर्मनी के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए जर्मन रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस और दूसरे सीनियर नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इस दौरान मेक-इन-इंडिया पहल के तहत संयुक्त विकास और सह उत्पादन को बढ़ावा देने के मकसद से जर्मन के उद्योग प्रतिनिधियों से भी बातचीत होने की उम्मीद है। जर्मनी में मौजूद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ कहा है कि ईरान-अमेरिका के बीच मौजूदा हालत में भारत भले ही सीधे मध्यस्थता नहीं कर रहा, लेकिन भविष्य में इसकी संभावना -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा भारत

पहलगाम हमले की बरसी पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल 2025 को आतंकी हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई थी। आज पहलगाम हमले की पहली बरसी है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम हमले की पहली बरसी पर जान गंवाने वाले मृतकों के प्रति अपनी संवेदना जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि पिछले साल इसी दिन पहलगाम में हुए -शेष पृष्ठ दो पर

नारी शक्ति वंदन बिल 2026 का विरोध महिला सशक्तिकरण के खिलाफ : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक 2026 का विरोध करने को लेकर कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सहयोगी दलों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इस बिल का विरोध देशभर की महिलाओं का अपमान है। डिब्रूगढ़ स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने

कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले इस विधेयक का विरोध यह दर्शाता है कि विपक्ष महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को गंभीरता से नहीं ले रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण का विरोध करने वाली ताकतों के खिलाफ हमारा विरोध जारी रहेगा। इस पहल के माध्यम से हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि महिलाओं के अधिकारों के मामले में कोई समझौता नहीं होगा। लोकसभा सांसद सोनोवाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा हाल ही में प्रस्तुत किया गया यह विधेयक महिलाओं को उनका उचित अधिकार और सम्मान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि सभी राजनीतिक दल इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे, क्योंकि यह महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि देश -शेष पृष्ठ दो पर

बस्तर में डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना पड़ेगा : सचिन

दंतेवाड़ा (हि.स.)। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिले के छिंदनार गांव में आयोजित *मैदान कप* में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने खेल प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए अनेक खेल गतिविधियों में सहभागिता की। उन्होंने गांव स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम हाई स्कूल में मल्टी स्पोर्ट्स ग्राउंड का उद्घाटन किया। यह मैदान सचिन तेंदुलकर और मानदेशी फाउंडेशन द्वारा निर्मित है, जिसकी फाउंडर चेतना सिन्हा भी मौजूद थीं। कार्यक्रम में सचिन ने कहा कि इन मैदानों में नियमित खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बीच जारी कानूनी जंग में बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि कोई मुख्यमंत्री व्यक्तिगत

रूप से केंद्रीय एजेंसी की जांच प्रक्रिया में प्रवेश करता है या उसमें बाधा डालता है, तो इसे केवल केंद्र बनाम राज्य का राजनीतिक विवाद मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायालय के अनुसार, यह सीधे तौर पर कानून के शासन और संवैधानिक मर्यादा से जुड़ा विषय है। अदालत ने कहा कि ममता बनर्जी के इस आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला है। यह मामला जनवरी 2026 में कोयला घोटाले की जांच के दौरान आई-पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया था कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद हस्तक्षेप किया था। वहीं, एजेंसी ने ममता बनर्जी -शेष पृष्ठ दो पर

नीतीश कुमार ने जारी की जेडीयू कार्यकारिणी की लिस्ट

पटना। पूर्व सीएम और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी है। अहम बात यह कि इसमें नीतीश कुमार के बेटे निशांत का नाम कहीं नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय झा को फिर से पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक नीतीश कुमार पार्टी के अध्यक्ष है। जबकि संजय -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी को आंतकी कहने पर चुनाव आयोग सख्त, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की *आतंकवादी* टिप्पणी को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। अब इस मामले पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने कांग्रेस

अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को *आतंकी* कहे जाने वाले बयान पर कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने इस टिप्पणी को गंभीर लेते हुए हुए कांग्रेस अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले अमित शाह, नितिन नवीन समेत शीर्ष भाजपा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पर जोरदार निशाना साधा और उनके बयान की आलोचना की है। चुनाव आयोग के अधिकारी ने कहा कि आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पीएम मोदी को आतंकवादी कहे जाने का गंभीर रूप से संज्ञान लिया है और कारण बताओ नोटिस जारी -शेष पृष्ठ दो पर

भारत से नेपाल जाने वालों के लिए नए नियम

बॉर्डर पर देना होगा टैक्स शॉपिंग पर भी नया रूल

नई दिल्ली। भारत-नेपाल बॉर्डर पर हालात बदल रहे हैं। ये बदलाव भारतीय लोगों के पक्ष में नहीं हैं। नेपाल के अधिकारियों ने कुछ सख्त नियम लागू किए हैं, जिनका सीधा असर

भारतीय यात्रियों पर पड़ सकता है। नेपाल सरकार के इन नियमों का असर खासकर उन लोगों पर पड़ेगा, जो अपनी गाड़ी से सीमा पार करते हैं या वहां से सामान वापस लाते हैं। कई लोगों के लिए, जो इन दोनों देशों के बीच आसान और बिना किसी रोक-टोक के सफर करने के आदी हैं, उन्हें यह बदलाव चौंकाने वाला लग सकता है। भारत और -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु-प. बंगाल में वोट के लिए नोट और शराब की बारिश, आयोग ने एक हजार करोड़ का सामान किया जब्त

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों की दहलीज पर खड़े तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनावी शुचिता को बनाए रखना चुनाव आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। मतदान से ठीक एक दिन पहले चुनाव आयोग ने चौंकाने वाले आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें दोनों राज्यों से अब तक 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की

नकदी, शराब, ड्रग्स और मुफ्त उपहार जब्त किए गए हैं। आयोग की सख्त निगरानी और प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता के कारण यह रिकॉर्ड बरामदगी हुई है। यह भारी जब्ती दर्शाती है कि मतदाताओं को लुभाने के लिए किस कदर अवैध संसाधनों का इस्तेमाल करने की कोशिश की जा रही थी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी तरह के प्रलोभन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 26 फरवरी से अब तक कुल 1,072.13 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया जा चुका है। अकेले तमिलनाडु में 599.24 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है, जबकि -शेष पृष्ठ दो पर

500 रुपए की शर्त और फंस गए कर्नाटक के गृह मंत्री

कोर्ट ने दिया एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नई दिल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर मुश्किल में घिर गए हैं। बेंगलुरु की एक अदालत ने उनके खिलाफ कबड्डी मैच के दौरान 500 रुपए की कथित शर्त लगाने के मामले में केस दर्ज करने का आदेश दिया

है। यह विवाद तुमकुरु में आयोजित राज्य स्तरीय प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान उनके एक बयान से जुड़ा है। बताया गया कि परमेश्वर ने जिला उपायुक्त शुभा कल्याण के साथ 500 रुपए की दोस्ताना शर्त लगाई थी कि विजयपुरा की टीम मैच जीतेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

प. बंगाल विस चुनाव के प्रथम चरण और तमिलनाडु विस की सभी सीटों के लिए मतदान आज

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई (हि.स.)। व्यापक तैयारियों और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच देश के दो राज्यों पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान होंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में कल राज्य के 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर लगभग 3.6 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जबकि 234 सीटों वाले तमिलनाडु विधानसभा के लिए एक ही चरण में हो रहे मतदान में 5.73 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। इन चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के पहले चरण का मतदान गुरुवार को कराया जाएगा। इसके लिए करीब 44 हजार मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां कल सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होगा। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें कई मंत्री, पूर्व विधायक, नए चेहरे और विभिन्न दलों के प्रमुख नेता शामिल हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों 23 और 29 अप्रैल को मतदान होंगे। पहले चरण में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, वाम दलों, कांग्रेस तथा अन्य क्षेत्रीय दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। कई सीटों पर तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि कुछ क्षेत्रों में त्रिकोणीय और बहुकोणीय संघर्ष भी होने की संभावना है। पहले चरण में दार्जिलिंग, कलिंपोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पश्चिम बर्धमान, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और पूर्व मेदिनीपुर जिलों की सीटों पर मतदान होगा। इन क्षेत्रों में उत्तर बंगाल के सीमावर्ती इलाके, आदिवासी बहुल क्षेत्र, चाय बागान क्षेत्र, ग्रामीण इलाके और कुछ शहरी क्षेत्र भी शामिल हैं, इसलिए इस चरण को राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पहले चरण का मतदान पूरे चुनाव की दिशा तय कर सकता है। उत्तर बंगाल, सीमावर्ती जिलों, चाय बागान क्षेत्रों, ग्रामीण बेल्ट और अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में मतदान प्रतिशत पर सभी दलों की नजर रहेगी। तृणमूल कांग्रेस जहां अपनी मौजूदा पकड़ बनाए रखने की कोशिश करेगी, वहीं भारतीय जनता पार्टी उत्तर बंगाल और सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर बढ़त लेने की रणनीति पर काम कर रही है। वाम दल और कांग्रेस भी कई सीटों पर प्रभाव दिखाने की कोशिश करेंगे। चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 2,407 कंपनियां तैनात की गई हैं। इन कंपनियों में 2.4 लाख से अधिक जवान शामिल बताए जा रहे हैं।

श्यामकानू की जमानत पर सुनवाई अधूरी

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन हत्या मामले के मुख्य आरोपी श्यामकानू महंत की जमानत याचिका पर सुनवाई बुधवार को पूरी नहीं हो सकी और मामला अधूरा रह गया। अदालत में इस मामले की सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी, जहां जमानत याचिका पर आगे की बहस होने की संभावना है। बुधवार को अदालत में श्यामकानू महंत की ओर से गुवाहाटी के अधिवक्ता प्राण बोरा ने पक्ष रखा। इससे पहले इस मामले में कोलकाता के अधिवक्ता राजदीप बनर्जी पैरवी कर चुके हैं।

चंडीगढ़ की बुडैल जेल में भिड़े कैदी, एक गंभीर घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ की बुडैल जेल में मंगलवार की रात दो कैदी आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच काफी देर तक मारपीट होती रही, जिसके बाद जेल प्रशासन ने हस्तक्षेप कर उन्हें अलग किया। इस झड़प में एक कैदी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत इलाज के लिए सेक्टर-32 स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार, घायल कैदी की पहचान विकास के रूप में हुई है, जो पुलिस जांच में गैंगस्टर लॉरेंस गैंग से जुड़ा बताया जा रहा है। वहीं दूसरे कैदी की पहचान हिमांशु के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच पहले से ही पुरानी रंजिश चली आ रही थी, जो मंगलवार को अचानक हिंसक रूप ले बैठी। दोनों कैदी जेल परिसर में बनी डिस्पेंसरी में नियमित जांच और दवा लेने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही मिनटों में तीखी बहस में बदल गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी और मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना की सूचना मिलते ही जेल पुलिस और सुरक्षा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया। मौके पर ही घायल विकास को प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन गंभीर चोटों के चलते उसे तुरंत अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने मौके का जायजा लेकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। जेल स्टाफ और अन्य कैदियों से पूछताछ की जा रही है। दोनों कैदियों के बीच चल रही पुरानी रंजिश और झगड़े के कारणों की गहन जांच की जा रही है।

श्रीभूमि के कालीगंज में आकाशीय बिजली से वाहन में लगी आग

श्रीभूमि (हिंस)। श्रीभूमि जिले के कालीगंज क्षेत्र में बुधवार तड़के एक दर्दनाक घटना हुई, जब आकाशीय बिजली गिरने से सड़क पर चल रहा एक वाहन आग की चपेट में आ गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना रात करीब 2 बजे रहीमपुर-नयाग्राम इलाके में हुई। अचानक गिरी बिजली सीधे वाहन पर आ गिरी, जिससे वाहन में तुरंत आग लग गई और वह जलने लगा। सौभाग्यवश वाहन में सवार हाफिज फखरुल इस्लाम समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे और उनकी जान बच गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद संबंधित विभाग द्वारा स्थिति का जायजा लिया जा रहा है।

पूसीरे महाप्रबंधक ने लामडिंग मंडल के बइरबी बदरपुर-पाथरखोला खंडों का किया सुरक्षा निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को लामडिंग मंडल के अंतर्गत बइरबी-बदरपुर तथा बदरपुर-पाथरखोला खंडों का व्यापक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण चल रहे सुरक्षा अभियान तथा अवसंरचनात्मक तैयारियों की समीक्षा के तहत किया गया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि निरीक्षण के दौरान पटरियों की स्थिति का आकलन करने तथा खंडों की संरचनात्मक मजबूती की जांच के लिए विस्तृत विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। यह प्रक्रिया जलभराव, भू-क्षरण और ट्रैक अस्थिरता जैसी मानसून से संबंधित चुनौतियों के प्रति रेलवे अवसंरचना की मजबूती सुनिश्चित करने और कमजोरियों की पहचान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाप्रबंधक ने प्रमुख सुरक्षा मानकों की समीक्षा की और अधिकारियों को कड़ी निगरानी तथा समय पर अनुरक्षण हस्तक्षेप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने बदरपुर में नव-निर्मित उप-मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र तथा अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) प्रयोगशाला का दौरा किया।

ब्रिटेन में 2009 से जन्मे लोगों के लिए सिगरेट बैन, कानून पास

लंदन। ब्रिटेन ने धूम्रपान को लेकर एक ऐतिहासिक और बहुत सख्त कानून पास कर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। इस कानून का मकसद आने वाली पीढ़ी को पूरी तरह धूम्रपान से दूर करना है। इस योजना को *स्मोक-फ्री जनरेशन* कहा जा रहा है। इस नए कानून के अनुसार, जो लोग 1 जनवरी 2009 या उसके बाद पैदा हुए हैं, वे अपनी पूरी जिंदगी में कभी भी सिगरेट या कोई भी तंबाकू उत्पाद कानूनी तौर पर नहीं खरीद पाएंगे। जो लोग अभी सिगरेट खरीद सकते हैं, उनके लिए नियम नहीं बदलेंगे, लेकिन नई पीढ़ी के लिए रास्ता हमेशा के लिए बंद कर दिया जाएगा। यह कानून टोबाको एंड वेप्स बील के तहत लाया गया है। इसे लागू करने का तरीका भी अलग है। इसमें अचानक बैन नहीं लगाया गया, बल्कि हर साल सिगरेट खरीदने की उम्र बढ़ती जाएगी। इसका मतलब है कि धीरे-धीरे समाज में नए स्मोकर्स बनना बंद हो जाएंगे और समय के साथ धूम्रपान खत्म हो सकता है। इस बिल को पास होने में काफी समय लगा। इसे सबसे पहले 2024 में पेश किया गया था और संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद अब यह अंतिम चरण में है। जल्द ही *रॉयल असेंट* मिलने के बाद यह पूरी तरह कानून बन जाएगा। इस कानून को लागू करने की शुरुआत 2027 से होगी। सरकार का कहना है कि यह कदम इसलिए जरूरी है क्योंकि धूम्रपान ब्रिटेन में सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। हर साल हजारों लोगों की मौत सिगरेट से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है और लाखों लोग अस्पताल पहुंचते हैं। इससे देश की स्वास्थ्य सेवा पर भी भारी बोझ पड़ता है। इस कानून में सिर्फ सिगरेट ही नहीं, बल्कि वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी सख्ती की गई है। बच्चों और युवाओं को ध्यान में रखते हुए वेप के विज्ञापन, फ्लेवर और पैकेजिंग पर कड़े नियम लागू किए जाएंगे, ताकि वे इनकी ओर आकर्षित न हों। इसके अलावा, स्कूलों, पार्कों और अस्पतालों के आसपास *नो स्मोकिंग* और *नो वेपिंग* जोन बनाए जाएंगे। सरकार को तंबाकू उत्पादों की बिक्री और लाइसेंसिंग पर ज्यादा नियंत्रण दिया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

ईरानी सेना ने भारत...

जो युद्ध शुरू होने के बाद से 35 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। तेल और गैस की सप्लाई रुकने या महंगी होने से न केवल पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ रहे हैं, बल्कि खाने-पीने की चीजों और अन्य सामानों की ढुलाई भी महंगी हो गई है। अगर यह समुद्री रास्ता लंबे समय तक बंद रहा या यहां हमले जारी रहे, तो वैश्विक मंदी का खतरा और बढ़ जाएगा और आम आदमी के लिए घर चलाना मुश्किल हो जाएगा। शांति की कोशिशों के बीच पाकिस्तान के अधिकारी अभी भी ईरान की तरफ से किसी सकारात्मक जवाब का इंतजार कर रहे हैं। इस्लामाबाद अगले दौर की वार्ता की मेजबानी करना चाहता है, लेकिन ईरान ने अब तक अपने प्रतिनिधिमंडल को भेजने की पुष्टि नहीं की है। मिस्र में मौजूद ईरानी राजनयिक मुजतबा फिरदौसी पोर ने साफ कर दिया है कि जब तक अमेरिका अपनी घेराबंदी खत्म नहीं करता, तब तक कोई भी ईरानी दल पाकिस्तान नहीं जाएगा। इससे साफ है कि कूटनीति इस वक्त पूरी तरह ठप पड़ी है और हथियारों की होड़ बढ़ती जा रही है। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों से शुरू हुए इस युद्ध ने अब तक हजारों लोगों की बलि ले ली है। आंकड़ों के मुताबिक, ईरान में अब तक कम से कम 3,375 लोग मारे जा चुके हैं। लेबनान में भी स्थिति भयावह है, जहां 2,290 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस्राइल में 23 नागरिक और लेबनान में ल ? रहे 15 सैनिक मारे गए हैं। वहीं, खाड़ी देशों में भी एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। क्षेत्र में तैनात 13 अमेरिकी सैनिकों ने भी इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई है। ईरान के तेवर फिलहाल नरम पड़ते नहीं दिख रहे हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने धमकी दी है कि वे दुश्मन की कल्पना से परे जाकर करारा प्रहार करेंगे। ईरान में कट्टरपंथी समर्थक रैलियां निकाल रहे हैं और अपनी मिसाइल ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच भी संघर्ष जारी है। हालांकि वहां 10 दिनों का सीजफायर लागू है, लेकिन दोनों तरफ से दावों और जवाबी हमलों ने इसे कमजोर कर दिया है। जब तक कोई ठोस कूटनीतिक समझौता नहीं होता, तब तक समुद्र से लेकर जमीन तक मौत का यह खेल जारी रहने की आशंका है।

72 घंटों के अंदर ...

सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि उन्होंने इसलिए अपनी सेना को नाकेबंदी जारी रखने और अन्य सभी मामलों में पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सीजफायर को तब तक बढ़ाया जाएगा, जब तक उनका प्रस्ताव पेश नहीं हो जाता और बातचीत किसी न किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाती है। इससे पहले, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद यात्रा भी टल गई, जहां ईरानी प्रतिनिधियों के साथ शांति वार्ता प्रस्तावित थी। वेंस और विशेष अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर मंगलवार को इस्लामाबाद जाने वाले थे, लेकिन अमेरिका ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की पाकिस्तान यात्रा मंगलवार को नहीं होगी।

ईरान-अमेरिका के बीच...

से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों पक्षों से युद्ध समाप्त करने की अपील की है, लेकिन हर चीज का एक सही समय होता है। हो सकता है कि आगे चलकर वो समय आए, जब भारत अपनी भूमिका निभाए और उसमें सफलता भी मिले। राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की कोशिशें खास कामयाब नहीं होते दिख रही हैं। रक्षा मंत्री ने जर्मनी की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन बर्लिन में भारतीय समुदाय के साथ संवाद किया। उन्होंने लगभग 3 लाख भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा के साथ-साथ उन्हें दोनों देशों के बीच सबसे मजबूत सेतु बताते हुए कहा कि उनका योगदान व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अहम है। उन्होंने कहा कि पहले अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन आज पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है। उन्होंने जर्मनी में मौजूद भारतीयों से वैश्विक स्तर पर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का आग्रह किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2026 जर्मनी के साथ राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, जो विश्वास, आपसी सम्मान और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

आतंकवाद के आगे ...

भयावह आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद कर रहा हूं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। एक राष्ट्र के रूप में, हम शोक और दृढ़ संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। पीएम मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत किसी भी प्रकार के आतंकवाद के सामने झुकने वाला नहीं है। उन्होंने दोहराया कि आतंकियों की साजिशें कभी सफल नहीं होंगी और देश पूरी मजबूती से उनका सामना करेगा। भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संदेश लिखकर कहा कि भारत के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई का जवाब निश्चित और सख्त होगा। सेना ने कहा कि न्याय हमेशा मिलेगा और इसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन बिल...

के विकास के लिए महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी आवश्यक है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि देश की लगभग 50 प्रतिशत आबादी महिलाएं हैं, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व केवल 15 से 16 प्रतिशत तक सीमित है, जो स्पष्ट रूप से अन्यायपूर्ण है। सोनोवाल ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद महिलाओं के लिए ऐसा कोई बड़ा कदम नहीं उठाया। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य किया है। उन्होंने *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री जन धन योजना, उज्ज्वला योजना* और *स्वच्छ भारत मिशन* जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। सोनोवाल ने कहा कि हम महिला-नेतृत्व वाले विकास में विश्वास रखते हैं। महिलाएं केवल लाभार्थी ही नहीं, बल्कि नीति निर्माण और शासन में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को देशभर की महिलाओं से कड़ा जवाब मिलेगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ...

की ओर से की गई इस कार्रवाई को अपनी वैधानिक ड्यूटी में बढ़ी बाधा माना है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के रुख पर कड़े सवाल उठाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किसी सक्रिय तलाशी अभियान वाली जगह पर चला आता है, तो यह जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जस्टिस मिश्र ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिवक्ता से पूछा कि क्या ईडी के अधिकारियों से यह उम्मीद की जाती है कि जब मुख्यमंत्री खुद छापेमारी वाली जगह पर घुस आएं और कार्रवाई को बाधित करें, तो वे मूकदर्शक बनकर खड़े रहें? सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि यह विवाद केवल केंद्र और राज्य के बीच का नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया कृत्य है जो मुख्यमंत्री जैसे उच्च संवैधानिक पद पर बैठकर पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। राज्य सरकार की ओर से तकनीकी आधार पर अनुच्छेद 32 की वैधता पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए जस्टिस कुमार ने कहा कि केशवानंद भारती केस से लेकर सीरवाई जैसे महान संविधानविदों ने भी कभी ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि भारत में एक दिन ऐसा भी आएगा जब कोई मौजूदा मुख्यमंत्री स्वयं किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में घुसकर उसकी वैधानिक प्रक्रिया में इस प्रकार हस्तक्षेप करेगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दलील दी कि ईडी एक सरकारी विभाग है, कोई व्यक्ति नहीं, इसलिए वह अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर नहीं कर सकता।

नीतीश कुमार ने जारी ...

कुमार झा को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पार्टी के 12 बड़े नेताओं को महासचिव बनाया गया है। इनमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाहा, रामसेवक सिंह, कहकशां प्रवीण, कपिल हरिशचंद्र पाटील, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर सुनील, हर्षवर्धन सिंह और मौलाना गुलाम रसूल बलियावी के नाम शामिल है। राजीव रंजन प्रसाद को पार्टी का सचिव और प्रवक्ता बनाया गया है। जबकि रविंद्र प्रसाद सिंह, विद्यासागर निषाद, दयाशंकर राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूबी लागून और निवेदिता कुमारी को पार्टी का सचिव मनाया गया है। पार्टी का कोषाध्यक्ष गोपालगंज से जदयू सांसद डॉक्टर आलोक कुमार सुमन को बनाया गया है। इस सूची में गौर करने वाली बात यह है कि पहले जहां पार्टी में तीन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे, वहीं अब केवल एक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष है। जहानाबाद से पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। जबकि इस सूची में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे भगवान सिंह कुशवाहा की जगह पर अब रमेश सिंह कुशवाहा को महासचिव बनाया गया है। वहीं कुछ दिन पहले जेडीयू में शामिल होने वाले पूर्व सीएम नीतीश कुमार के निशांत कुमार को इस सूची में स्थान नहीं मिला है। वहीं सूची में स्थान नहीं बनाने वाले एक और भगवान सिंह कुशवाहा को इस बार सम्राट सरकार के आगामी प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री बनाया जा सकता है।

पीएम मोदी को आंतकी...

किया गया है। इससे पहले मंगलवार को भाजपा ने चुनाव आयोग से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। भाजपा ने आयोग को सौंपे ज्ञापन में खड़गे के बयान को गंभीर रूप से अपमानजनक बताते हुए इसे आदर्श आचार संहिता का प्रथम दृष्टया उल्लंघन बताया था। पार्टी ने आयोग से खड़गे से सार्वजनिक माफी मंगवाने और उनके खिलाफ उचित दंडात्मक व नियामक कार्रवाई शुरू करने की मांग की थी। पार्टी ने कहा था कि केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चुनाव आयोग से मिलकर इस मुद्दे को उठाएगा। भाजपा ने अपनी शिकायत में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, खड़गे के बयान के प्रचार-प्रसार पर तत्काल रोक लगाने और मीडिया व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से इसे हटाने के निर्देश देने की भी अपील की है। पार्टी ने कहा कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और मुद्दा-आधारित चुनाव सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के बयानों पर सख्त कदम उठाना जरूरी है। मल्लिकार्जुन खड़गे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आतंकी शब्द का इस्तेमाल कर मंगलवार को विवादों में घिर गए थे। तमिलनाडु के चेन्नई में खड़गे ने मीडिया के सामने कहा कि अन्नाद्रमुक मोदी जैसे व्यक्ति के साथ कैसे जा सकती है? वह आतंकी हैं, समानता में विश्वास नहीं करते। जब बनसे बयान को और स्पष्ट करने के नए कहा गया तो विवाद बढ़ने की शंका के चलते उन्होंने सफाई भी दी थी, लेकिन भाजपा ने इसे देश – अपमान बताते हुए उनसे माफी बने की मांग की है। खड़गे ने सफाई में कहा कि मैंने पीएम – को कभी आतंकी नहीं कहा। मेरा य था कि मोदी लोगों को डराते-काते हैं। उनकी राजनीति भये सैदा वाली है। इसके लिए वह सरकारी इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा सीबीआई ईडी व आयकर विभाग जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग भाजपा के कार्यालय का ही एक्सटेंशन बन गया है। वह चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर कारवाई नहीं कर रहा।

बस्तर में डायमंड..

मैदान कप जैसे आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना पड़ेगा। कार्यक्रम की शुरुआत में सचिन, उनकी बेटी सारा और पुत्रवधु सानिया ने विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने न केवल बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया, बल्कि स्वयं भी उनके साथ शामिल होकर एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया। कार्यक्रम के दौरान रस्साकशी, वॉलीबॉल, दौड़ और खो-खो जैसे रोचक खेल आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ हिस्सा लिया। इन गतिविधियों से बच्चों में टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास हुआ। गांव के ही छात्र-छात्राएं भूमिका ठाकुर, नियासा मौर्य, निर्मला तरमा, पायल ठाकुर, सीताराम पुनर्म, अमित कुमार ने सचिन तेंदुलकर को खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सचिन तेंदुलकर ने देश की युवा प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भविष्य के चैंपियन तैयार करने के लिए केवल व्यक्तिगत जुनून पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर आधुनिक और सुदृढ़ खेल सुविधाओं का होना अनिवार्य है। इस दौरान सचिन ने खुद को केवल क्रिकेट पिच तक सीमित न रखते हुए वॉलीबॉल और अन्य मैदानी खेलों के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि विभिन्न खेलों में भागीदारी करने से खिलाड़ियों की रणनीतिक समझ और मानसिक परिपक्वता बढ़ती है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए मैदान ही नहीं है।

बॉर्डर पर देना होगा...

नेपाल के बीच दशकों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्ते रहे हैं। इन दोनों देशों के बीच संबंध इतने मजबूत हैं कि भारतीय सेना के मौजूदा प्रमुख को *नेपाली सेना के जनरल* की मानद उपाधि दी जाती है और नेपाली सेना के प्रमुख को *भारतीय सेना के जनरल* का मानद पद दिया जाता है। भारत और नेपाल दोनों देशों की सीमाएं खुली हुई हैं, जिससे लोग बिना किसी रोक-टोक के एक-दूसरे के देश में आ-जा सकते हैं, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। भारत से नेपाल अब अपनी गाड़ी से जाना आसान नहीं है, जैसे कि पहले हुआ करता था। नेपाल में घुसते ही भारतीय गाड़ियों को रजिस्टर कराना जरूरी है। इसके साथ ही आपके पास गाड़ी से जुड़े दस्तावेज भी होने चाहिए। भारत के लोगों की गाड़ी एक साल में 30 दिनों से ज्यादा नेपाल में नहीं रुक सकती। यहां तक कि छोटी यात्राओं के लिए भी अब पैसे चुकाने जरूरी हो गए हैं। भारत से नेपाल जाने वाले लोगों से अब रोजाना एंट्री फीस ली जा रही है और अगर आपके पास गाड़ी से जुड़े दस्तावेज नहीं हैं तो अधिकारी आपकी गाड़ी जब्त कर सकते हैं और कुछ मामलों में, गाड़ी हमेशा के लिए भी जब्त की जा सकती है। नेपाल से 100 नेपाली रुपया (करीब 62 भारतीय रुपया) से ज्यादा की खरीद करके लाने पर कस्टम ड्यूटी लगाई जा रही है। भारत-नेपाल बॉर्डर पर इन बदलावों का सबसे ज्यादा असर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों पर पड़ेगा, क्योंकि उनके परिवार के कुछ सदस्य भारत में रहते हैं तो कुछ नेपाल में। दक्षिणी नेपाल में रहने वाले कई परिवार अक्सर बिहार और उत्तर प्रदेश के आस-पास के इलाकों में जाकर अपनी जरूरत का सस्ता सामान खरीदते रहे हैं। अब, अगर वे पैसे देने से मना करते हैं, तो नेपाली कस्टम्स या तो उन पर चार्ज लगा रहा है या उनका सामान जब्त कर रहा है। छोटे दुकानदार और कारोबारी अब परेशान हैं, क्योंकि नए नियमों की वजह से उनकी बिक्री पर बुरा असर पड़ रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार अब छोटी-छोटी बातों पर भी सख्त कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम का मकसद गाड़ियों के अवैध इस्तेमाल पर रोक लगाना, टैक्स चोरी रोकना और नेपाल के अंदर ही बने उत्पादों को बढ़ावा देना है। देखा जाए तो पहले भारतीय गाड़ियां बिना किसी शुल्क के 24 घंटे तक सीमा के आस-पास के इलाकों में आ-जा सकती थीं। अब इस छूट को खत्म करके, निगरानी और नियमों को लागू करने में और भी ज्यादा सख्ती बरती जा रही है।

तमिलनाडु-प. बंगाल में वोट...

पश्चिम बंगाल में यह आंकड़ा 472.89 करोड़ रुपए के करीब है। जब्ती में न केवल नकदी शामिल है, बल्कि भारी मात्रा में शराब, नशीली दवाएं (ड्रग्स) और कीमती धातुएं जैसे सोना-चांदी भी बरामद किए गए हैं। आयोग ने बताया कि *इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम* के सक्रिय होने के बाद से ही इन राज्यों में अवैध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही थी। अगर दोनों राज्यों के आंकड़ों पर गौर करें, तो तमिलनाडु में 100.19 करोड़ रुपए की नकदी और 159.31 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं पकड़ी गई हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल में 27.48 करोड़ रुपए नकद और करीब 102.45 करोड़ रुपए की शराब (लगभग 39 लाख लीटर) जब्त की गई है। बंगाल में नशीली दवाओं की जब्ती भी काफी अधिक रही है, जिसकी कीमत 108.11 करोड़ रुपए बताई गई है। दोनों ही राज्यों में सबसे बड़ा हिस्सा *मुफ्त उपहार* (फ्रीबीज) का रहा है, जिनका इस्तेमाल मतदाताओं को लालच देने के लिए किया जाना था। तमिलनाडु में 259.14 करोड़ रुपए और बंगाल में 178.84 करोड़ रुपए के मुफ्त सामान बरामद हुए हैं। संदेहास्पद गतिविधियों पर नजर रखने और शिकायतों का तुरंत निपटारा करने के लिए चुनाव आयोग ने भारी संख्या में निगरानी टीमें तैनात की हैं। आयोग ने बताया कि दोनों राज्यों में कुल 5,011 फ्लाइंग स्क्वाड टीमें और 5,363 स्टेटिक सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें संवेदनशील इलाकों में अचानक छापेमारी कर रही हैं और चेकपोस्ट बनाकर हर संदिग्ध वाहन की जांच कर रही हैं। आयोग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि सी-विजिल एप के जरिए मिलने वाली शिकायतों का निपटारा 100 मिनट की सख्त समय सीमा के भीतर किया जाए। साथ ही, आयोग ने मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को निर्देश दिए हैं कि चुनाव पूरी तरह से हिंसा और प्रलोभन मुक्त होने चाहिए। कड़ी निगरानी के बीच चुनाव आयोग ने अधिकारियों को संतुलन बनाए रखने की भी नसीहत दी है।

500 रुपए की शर्त ...

हालांकि मैच में दक्षिण कन्नड़ की टीम ने विजयपुरा को 36-26 से हराकर जीत दर्ज की। बाद में विजेता टीम को पुरस्कार देते समय मंत्री ने सार्वजनिक रूप से इस शर्त का जिक्र भी किया। इस मामले में एचआर नागभूषण नाम के व्यक्ति ने निजी शिकायत दर्ज कराई। उनका कहना है कि सार्वजनिक रूप से शर्त लगाना, चाहे मजाक में ही क्यों न हो, कानून के खिलाफ है और खासकर संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसा नहीं करना चाहिए। शिकायत पर सुनवाई करते हुए बेंगलुरु की 42वीं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। इस अदालत की अध्यक्षता न्यायाधीश केएन शिवकुमार कर रहे हैं। गौरतलब है कि पुलिस विभाग गृह विभाग के अधीन आता है, जिसकी जिम्मेदारी खुद गृह मंत्री के पास होती है।

मणिपुर के 12 जिलों ...

कुल 16 में से 12 जिलों में सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बिष्णुपुर जिले के त्रोंगलाओबी में बीते सात अप्रैल को हुए बम हमले के विरोध में जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) ने पांच दिवसीय बंद का आह्वान किया है। इस हमले में दो मासूम बच्चों की जान चली गई थी। इस बंद का इंफाल घाटी के सभी पांच जिलों में व्यापक असर देखा जा रहा है। इंफाल पश्चिम के सगोलबंद और पटसोई जैसे महत्वपूर्ण इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है। यातायात पूरी तरह ठप होने से लोग अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हो गए हैं। घाटी के साथ-साथ राज्य के पहाड़ी जिलों में भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। यूनाइटेड नागा काउंसिल की ओर से बुलाए गए तीन दिवसीय बंद का आज दूसरा दिन था। यह बंद 18 अप्रैल को उखरुल जिले में दो तंगखुल नागा व्यक्तियों की हत्या के विरोध में बुलाया गया है। नागा बहुल छह पहाड़ी जिलों में इस बंद का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है। नोनी जिले और इंफाल पूर्व के याइंगांगपोकपी में बंद समर्थकों ने सड़क मार्ग पूरी तरह बाधित कर दिया, जिससे केंद्रीय सुरक्षा बलों की आवाजाही में भी काफी परेशानी आई। उधर, चुराचांदपुर जिले में भी स्थिति अलग नहीं थी। जोमी समन्वय समिति के तत्वावधान में विभिन्न संगठनों ने 13 घंटे के बंद का आह्वान किया।

छह साल बाद फिर ...

में जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विदेश मंत्रालय से लिपुलेख दर्रे के माध्यम से व्यापार शुरू करने की अनापत्ति मिलने के बाद प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित व्यापार सत्र मौसम की अनुकूलता के आधार पर इस अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा जा सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व की भांति ही व्यापार संचालन होगा और सभी व्यवस्थाएं विदेश मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होंगी। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि व्यापार शुरू होने से पहले सड़क, संचार, बैंकिंग, सुरक्षा और आवासीय व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। बीएसएनएल को नेटवर्क सुदृढ़ करने तथा जिला पंचायत और पर्यटन विभाग को गुंजी क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में तकलाकोट व्यापार से जुड़े व्यापारियों ने भी भाग लिया और अपनी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि व्यापारियों की समस्याओं को मंत्रालय स्तर पर उठाकर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। करीब छह वर्षों के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रहे इस सीमा व्यापार को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है और सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पीएम मोदी को *आतंकवादी* कहकर खड़गे ने पार की सभी सीमाएं : देवजीत

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को *आतंकवादी* कहे जाने वाले बयान की कड़ी निंदा की है। पार्टी ने इस टिप्पणी को बेहद असंवेदनशील और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया है। असम प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डॉ. देवजीत महंत ने कहा कि इस प्रकार की टिप्पणियां न केवल आपत्तिजनक हैं, बल्कि राजनीतिक संवाद के स्तर में गिरावट को भी दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विचारधारा और नीतियों को लेकर मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग न केवल व्यक्ति विशेष बल्कि उस पद की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह पहली बार नहीं है जब खड़गे ने जनभावनाओं के प्रति असंवेदनशील टिप्पणी की है। जब असम के सांस्कृतिक प्रतीक भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था, तब भी खड़गे ने सवाल उठाया था कि एक गायक को यह सम्मान क्यों दिया गया। इसके अलावा उनके पुत्र प्रियांक खड़गे द्वारा असम के युवाओं को लेकर की गई टिप्पणी को भी अपमानजनक बताया गया। डॉ. महंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत हुई है और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। ऐसे में इस तरह के निराधार और भड़काऊ बयान राष्ट्रीय एकता को कमजोर करते हैं। असम प्रदेश भाजपा ने खड़गे के बयान को बेहद गैर-जिम्मेदाराना करार देते हुए कहा कि इतने ऊंचे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग अनुचित है। पार्टी ने कांग्रेस नेतृत्व से संयम बरतने, लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करने और सार्वजनिक बयानबाजी में मर्यादा बनाए रखने की अपील की है। साथ ही खड़गे और कांग्रेस पार्टी से देश की जनता से माफी मांगने की भी मांग की गई है।

विरोध प्रदर्शन में शामिल होने और सुरक्षा बलों पर हमला करने के आरोप में पुलिसकर्मी गिरफ्तार

इंफाल। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में हिंसक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने और सुरक्षा बलों पर हमला करने के आरोप में एक पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी, जिसकी पहचान थौदम गोजेंद्रो सिंह के रूप में हुई है, को राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (इंफाल-दिमापुर रोड) पर कोइरेंगेई क्रॉसिंग पर हिंसक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में एक अन्य व्यक्ति के साथ हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों ने मलबे में आग लगाकर सड़क को अवरुद्ध करने और गुलेल और पत्थरबाजी से सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। मणिपुर पुलिस के अनुसार, यह घटना बिष्णुपुर जिले में हाल ही में हुए हमले के बाद भड़के प्रदर्शनों के बीच घटी। ट्रोंगलाओबी में 7 अप्रैल को हुए बम विस्फोट के बाद प्रदर्शन तेज हो गए हैं, जिसे कथित तौर पर संदिग्ध आतंकवादियों ने अंजाम दिया था, जिसमें दो छोटे बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां घायल हो गई।

केंद्र ने राज्यों के साथ रक्त सेवाओं की समीक्षा की, असम ने प्रगति दिखाई क्योंकि 2026 तक सुरक्षित रक्त के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा

गुवाहाटी। असम ने बुधवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा रक्त आधान सेवाओं की समीक्षा के लिए आयोजित राष्ट्रव्यापी वीडियो कांफ्रेंस में भाग लिया, जिसमें प्रत्येक जिले में सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) के अतिरिक्त सचिव (जन स्वास्थ्य) और महानिदेशक डॉ. राकेश गुप्ता ने की और इसमें सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। असम से एनएचएम मिशन के निदेशक डॉ. लक्ष्मणन एस सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी (असम) और राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा में भाग लिया। इस समीक्षा में रक्त आधान सेवाओं के पांच महत्वपूर्ण चरणों- लाइसेंसिंग, दाता की स्क्रीनिंग और

संग्रह, संक्रमणों के लिए परीक्षण, प्रसंस्करण और भंडारण, और रिपोर्टिंग प्रणालियों-में प्रदर्शन का आकलन किया गया। ईरक्तकोश और ब्लड बैंक मैनेजमेंट सिस्टम जैसे प्लेटफार्मों से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग करते हुए 10 प्रमुख संकेतकों के आधार पर प्रगति का मूल्यांकन किया गया। डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि देश के हर जिले में सुरक्षित रक्त उपलब्ध हो और रक्त आधान से फैलने वाले संक्रमणों का कोई खतरा न हो। मैं दिसंबर 2026 तक प्रत्येक जिले में कम से कम एक रक्त बैंक स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा हूं। अधिकारियों ने बताया कि असम ने लगातार प्रगति की है, जिसमें जिला स्तर पर रक्त केंद्रों का विस्तार और परीक्षण प्रोटोकॉल में मजबूत भागीदारी शामिल है। राज्य भर में रक्त इकाइयों की जांच एलिसा और सीएलआईए आधारित विधियों का उपयोग करके की जा रही है, जिससे सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित हो रहा है। बैठक में आगामी महीनों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की रूपरेखा भी तैयार की गई, जिसमें रक्त केंद्रों और रक्तदान शिविरों में मानक प्रक्रियाओं का कड़ाई से कार्यान्वयन, घटक पृथक्करण सुविधाओं का विस्तार और ई-रक्तकोश और संबंधित प्रणालियों के माध्यम से डिजिटल ट्रैकिंग में सुधार शामिल है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़ी बायोमेट्रिक दाता पहचान प्रणाली शुरू करने और सभी केंद्रों के लिए स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री पहचानकर्ता बनाने की योजना भी बनाई जा रही है। डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि मैं राज्यों को सभी रक्त केंद्रों के लाइसेंस की स्थिति की समीक्षा करने, डिजिटल प्रणालियों को पूरी तरह से अपनाने और कर्मियों के प्रशिक्षण को मजबूत करने का निर्देश दे रहा हूं। मैं सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन चाहता हूं ताकि हम एक विश्वसनीय और पारदर्शी रक्त सेवा नेटवर्क का निर्माण कर सकें।

तिनसुकिया पुलिस का ड्रग्स निरोधी अभियान, हेरोइन बरामद

तिनसुकिया (हिंस)। मादक पदार्थों के खिलाफ जारी अभियान के तहत तिनसुकिया पुलिस ने पानीतोला इलाके में एक सफल कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस प्रवक्ता ने आज बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर तिनसुकिया थानांतर्गत पानीतोला पुलिस चौकी की पुलिस टीम ने पानीतोला नगर क्षेत्र में छापेमारी की। हालांकि, इस दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका। अभियान में लगभग 9 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। साथ ही तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई जिले में अवैध नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।

असम के विभिन्न हिस्सों में तूफान का कहर, ग्वालपाड़ा जिले में बिजली आपूर्ति ठप

गुवाहाटी (हिंस)। असम के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार रात आए भीषण तूफान ने भारी तबाही मचाई, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए और टूटकर बिखर गए, जिससे सड़कों और रिहायशी इलाकों में मलबा फैल गया। खासकर ग्वालपाड़ा और धुबड़ी जिले में तूफान के चलते भारी तबाही हुई है। ग्वालपाड़ा जिले के प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे जिले के बड़े हिस्से अंधेरे में डूब गए। जिले के वेलाखामार, मानिकपुर, टेंगाबाड़ी, बल्ला और भोजमाला जैसे इलाके तूफान से सबसे अधिक प्रभावित हुए, जहां व्यापक नुकसान की खबर है। प्रशासन द्वारा अभी तक नुकसान का पूरा आकलन नहीं किया जा सका है, जबकि बिजली बहाल करने और मार्गों से मलबा हटाने का कार्य जारी है।

रंगिया अदालत परिसर में अधिवक्ता की मौत

कामरूप (हिंस)। रंगिया महकमा न्यायिक दंडाधिकारी अदालत परिसर में बुधवार को एक शोकपूर्ण घटना घटित हुई, जहां हैदर अली नामक एक अधिवक्ता की अचानक मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता गौहाटी उच्च न्यायालय से एक मामले के सिलसिले में रंगिया अदालत पहुंचे थे। अदालत परिसर में मौजूद रहने के दौरान वह अचानक गिर पड़े। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हृदय गति रुकने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से अदालत परिसर में शोक की लहर दौड़ गई है तथा अधिवक्ताओं और न्यायालय कर्मियों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

नगांव : सड़क दुर्घटना में साईकिल सवार की मौत

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले के रांगलू ग्यारह माइल क्षेत्र में एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के अनुसार एक तेज रफ्तार 108 एंबुलेंस ने साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि एंबुलेंस चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि तेज गति से आ रही एंबुलेंस ने साइकिल सवार को टक्कर मारी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक का पहचान उरिया ग्रांट टुबुकी निवासी मजीबुर रहमान के रूप में की गई है। घटना के बाद रांगलू पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस को जब्त कर लिया। मामले की जांच जारी है।

श्यामकानू ने जुबीन की हत्या नहीं की : अनीता महंत

गुवाहाटी (हिंस)। चर्चित जुबीन गर्ग हत्या मामले में मुख्य आरोपी श्यामकानू महंत की पत्नी अनीता महंत ने पहली बार खुलकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि श्यामकानू महंत ने जुबीन की हत्या नहीं की है और उन्हें इस मामले में बेवजह फंसाया जा रहा है। विशेष न्यायाधीश की अदालत के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए अनीता महंत ने कहा कि श्यामकानू महंत ने जुबीन की हत्या नहीं की। क्या यह उनकी गलती थी कि जुबीन को नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में असमिया संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने के लिए ले जाया गया था। जुबीन अपनी इच्छा से गए थे। जुबीन ऐसे व्यक्ति नहीं थे, जिनसे उनकी इच्छा के विरुद्ध कुछ कराया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि जुबिन गर्ग को सिंगापुर के एक बेहतरीन होटल में ठहराया गया था, जहां से मात्र 50 मीटर की दूरी पर विश्वस्तरीय

अस्पताल मौजूद है। उन्हें जुबीन के यॉट पार्टी में जाने की जानकारी नहीं थी। यह कार्यक्रम में शामिल नहीं था। और याट पार्टी के वक्त श्यामकानू महंत लगभग 50 किलोमीटर दूर एक अन्य कार्यक्रम में थे। अनीता महंत ने यह भी कहा कि एक निर्दोष व्यक्ति को इतने लंबे समय तक जेल में रखना न्यायसंगत नहीं है, इससे जुबीन गर्ग की आत्मा भी आहत हो रही होगी। उल्लेखनीय है कि इस हत्या मामले के मुख्य आरोपी श्यामकानू महंत की जमानत याचिका पर आज सुनवाई हो रही है। जमानत के लिए उन्होंने गुवाहाटी के एक अधिवक्ता को नियुक्त किया है, जबकि इससे पहले इस मामले में कोलकाता के अधिवक्ता राजदीप बनर्जी उनकी पैरवी कर चुके हैं। राजदीप बनर्जी आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मामले की पैरवी कर रहे हैं।

मां को बचाने के प्रयास में पुत्र की ब्रह्मपुत्र में डूबकर मौत

कामरूप (हिंस)। असम के सुआलकुची में बुधवार को एक हृदयविदारक घटना में मां को बचाने के प्रयास में एक युवक ब्रह्मपुत्र नदी में बह गया। मिली जानकारी के अनुसार, मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही अपनी मां को बचाने के लिए हिमांशु मालाकार नामक युवक ब्रह्मपुत्र नदी में कूद गया। युवक ने अपनी मां को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन तेज धारा के कारण वह स्वयं नदी में बह गया। घटना के बाद नदी पुलिस द्वारा युवक की तलाश के लिए अभियान चलाया गया, लेकिन अंतिम सूचना मिलने तक उसका कोई पता नहीं चल सका है।

ड्रग्स समेत दो चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की नूनमाटी पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान थाना क्षेत्र इलाके से ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। नूनमाटी पुलिस ने बुधवार को बताया है कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान अभिषेक घोष और मिंकू मनी डेका उर्फ मईना के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों तस्करों में से मिंकू मनी डेका रिटायर पुलिस अधिकारी का पुत्र बताया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के पास से पुलिस ने अभियान के दौरान 21.57 ग्राम हेरोइन , नगद धन के अलावा कई प्लास्टिक के खाली कंटेनर बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

परंपरा और धार्मिक विरासत का संरक्षण सिपाझार में अनोखा गढ़भंगा उत्सव आयोजित

दरंग (हिंस)। जिले के सिपाझार के पूब चमतियापारा क्षेत्र में पारंपरिक विरासत और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण को दर्शाता अनोखा गढ़भंगा उत्सव आयोजित किया गया। यह उत्सव ढोपोरतल शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित हुआ, जहां आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक पहुंचे। सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले इस आयोजन ने क्षेत्र की गहरी जड़ों से जुड़ी परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। उत्सव का मुख्य आकर्षण बांस से निर्मित गढ़भंगा संरचना रही, जिसे स्थानीय युवाओं की सक्रिय भागीदारी से तैयार किया गया। इस आकर्षक और पारंपरिक निर्माण ने लोगों को काफी प्रभावित किया और सामुदायिक एकता तथा कौशल का परिचय दिया। युवाशक्ति से समृद्ध इस आयोजन में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने इस अनोखे दृश्य का आनंद लेने के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी हिस्सा लिया।

असम के बटालियन कैंप में महिला कमांडो प्रशिक्षु की संदिग्ध मौत

कामरूप (हिंस)। असम के बाईहाटा चारियाली स्थित एक बटालियन कैंप में प्रशिक्षण ले रही एक महिला कमांडो प्रशिक्षु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से हड़कंप मच गया है। घटना के बाद मामले की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। मृतका की पहचान कार्बी आंग्लांग जिले के बोकाजान निवासी अपर्णा पंडित के रूप में हुई है। वह घटना के समय कमांडो बटालियन कैंप में प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना से पहले के दिनों में वह मानसिक तनाव से गुजर रही थी। घटनास्थल के पास से एक कथित सुसाइड नोट मिलने की बात सामने आई है, हालांकि अधिकारियों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है और न ही मौत के कारणों को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष दिया है। अधिकारियों ने बताया कि शव को अंतिम संस्कार के लिए उसके पैतृक स्थान भेज दिया गया है। इस बीच, बाईहाटा चारिआली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि बरामद साक्ष्यों की जांच और सभी औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया की 30वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के पूर्व मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया की 30वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को गुवाहाटी स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में स्मरण सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने अपने संदेश में सैकिया के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में सभी समुदायों के समग्र विकास के लिए काम किया और नई पीढ़ी से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत कामरूप महानगर जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वपन दास ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। इस अवसर पर कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सैकिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

फकीराग्राम में 58वें आंचलिक रंगाली बिहू के अस्थायी कार्यालय का उद्घाटन

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत फकीराग्राम क्षेत्र में 58वें आंचलिक रंगाली बिहू के आयोजन को लेकर मंगलवार की रात अस्थायी कार्यालय का औपचारिक उद्घाटन किया गया। फकीराग्राम ऑफिसर क्लब में आयोजित कार्यक्रम में आयोजन समिति के सलाहकार एवं पूर्व शिक्षक खनिन राय ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में फकीराग्राम परिषद क्षेत्र के एमसीएलए एजामुल हक, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक कृष्ण चंद्र नाथ तथा परबतझोरा विधानसभा क्षेत्र से बीपीएफ के प्रत्याशी डॉ. रेजाउल करीम उपस्थित रहे। इसके अलावा आयोजन समिति के अध्यक्ष आदित्य डेका, सचिव निहार नारायण देव, संयुक्त सचिव बिजू नाथ, नजरुल हक, प्रणव शर्मा सहित अन्य सदस्य भी मौजूद थे। गौरतलब है कि इस वर्ष फकीराग्राम आंचलिक रंगाली बिहू समिति 1 और 2 मई को दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत बिहू उत्सव का आयोजन करेगी। हालांकि इस बार लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की अनुपस्थिति में समारोह आयोजित किया जाएगा। वहीं, अंतिम दिन के सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक देबोजीत बोरा अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यालय उद्घाटन के बाद आयोजित बैठक में बिहू उत्सव के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने जेईई मैन सेसन दो के टॉपर्स की सफलता का बड़े स्तर पर जश्न मनाया

गुवाहाटी। मंगलवार को देशभर के फिजिक्सवाला विद्यापीठ केंद्रों पर उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां हाल ही में घोषित जेईई मैन सेसन 2 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर छात्रों की सफलता का जश्न मनाया गया। शीर्ष स्कोरर्स में मुंबई के भायंदर के छात्र साहिल प्रधान शामिल रहे, जिनकी ऑल इंडिया रैंक (एयर) 94 है। प्रधान के अलावा, गुराशीश सिंह चड्ढा (एयर 112-उत्तराखंड स्टेट टॉपर) और हरियाणा के नमन वर्मा, जो एक किसान के बेटे हैं और जिन्होंने ऑनलाइन ड्रॉपर बैच से कुछ ही महीनों की तैयारी में एयर 243 हासिल की, जैसे छात्रों के प्रदर्शन का भी जश्न मनाया गया। इसके अतिरिक्त, हेमाक्षी कुमार (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह), विष्णु भारद्वाज उपाध्याय (मेघालय) और रोहित शर्मा (हिमाचल प्रदेश) जैसे कई छात्रों ने अपने-अपने राज्यों में टॉप किया। गोपेश गरोडिया (99.94 - एयर 951) और ध्रुव अग्रवाल (99.82 -एयर 2938) गुवाहाटी के पीडब्ल्यू विद्यापीठ के शीर्ष छात्रों में रहे। अलख पांडे, शिक्षक, संस्थापक एवं सीईओ, फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा कि

हम जेईई मैन 2026 में शामिल होने वाले सभी छात्रों पर गर्व करते हैं और विशेष रूप से उन छात्रों को बधाई देना चाहते हैं जिन्होंने उच्च अंक प्राप्त किए हैं। आपकी मेहनत और समर्पण सराहनीय है। जिन छात्रों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, उनके लिए यह सिर्फ शुरुआत है। अपनी गलतियों का विश्लेषण करें, तैयारी को मजबूत करें और अपने लक्ष्य की ओर लगातार प्रयास करते रहें। हम आपको निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन देते रहेंगे। ये छात्र पीडब्ल्यू के विभिन्न लर्निंग प्रोग्राम्स का हिस्सा रहे, जिनमें विद्यापीठ जैसे ऑफलाइन केंद्र,पाठशाला जैसे हाइब्रिड केंद्र और ऑनलाइन बैच शामिल हैं, जहां हर छात्र ने अपनी सुविधा के अनुसार माध्यम चुना। यह फिजिक्सवाला के इंटीग्रेटेड शिक्षा दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें डिजिटल और फिजिकल प्लेटफॉर्म्स को जोड़कर प्रभावी लर्निंग अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। जेईई मैन 2026 सेसन 2 का आयोजन भारत के 304 शहरों में स्थित लगभग 566 केंद्रों और विदेश के 14 शहरों में किया गया, जिसमें करीब 11.23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए।

संपादकीय

भारत अब छठी अर्थव्यवस्था

भारत के लिए यह दुखद और बहुत बड़ी खबर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अप्रैल, 2026 की रपट के मुताबिक, अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि यह लुढ़क कर छठे स्थान पर आ गई है। जापान 4.38 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथी और ब्रिटेन 4.26 ट्रिलियन डॉलर के साथ 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हो गई हैं। भारत की जीडीपी 4.15-4.17 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। यह गिरावट डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' के अवमूल्यन के कारण है। करीब 95 रुपए की कीमत एक डॉलर के बराबर तक पहुंच गई है। अलबत्ता हमारी अर्थव्यवस्था आज भी विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है और जीडीपी की विकास-दर भी 6.5-7 फीसदी के बीच है। विकास-दर विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। ईरान युद्ध और उसके बाद तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास-दर बरकरार रही है। यदि 'रुपए' की स्थिति में सुधार होता है, तो हम 2027 में 5वें स्थान पर लौट सकते हैं, लेकिन 2030 से पहले हम चौथा स्थान दोबारा हासिल नहीं कर सकेंगे। हालांकि कुछ वैश्विक रेटिंग एजेंसियों और विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि डॉलर के मुकाबले 'रुपए' की कीमत मजबूत होती है, तो भारत 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। यही प्रधानमंत्री मोदी का 'स्वप्निल दावा' रहा है कि भारत बहुत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है, लेकिन भारत आज भी दो स्तरों पर पिछड़ा हुआ है। एक, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में अब भी काफी पीछे है, लेकिन दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में शेष 1 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी बढ़ाना कोई 'टेढ़ी खीर' नहीं है। दूसरे, भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बजाय छठे स्थान तक खिसक गया है। हमारे पीछे फ्रांस भी चुनौती पेश कर रहा है। बहरहाल भारतीय रिजर्व बैंक का भी मानना है चूंकि अब आयातित वस्तुएं-कच्चा तेल, गैस, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रो केमिकल उत्पाद आदि-महंगी पड़ेंगी, नतीजतन देश में महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि मुद्रास्फीति 4.6 फीसदी, राजकोषीय घाटा 4-5 फीसदी का अनुमान लगाया जा रहा है। भारत पर कर्ज जीडीपी का करीब 55.6 फीसदी है। बहरहाल अर्थव्यवस्था में गिरावट के प्रभाव कई किस्म के होंगे। विदेशी और बड़े निवेशकों की धारणा पर अल्पकालिक असर जरूर होगा, लिहाजा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में अस्थिरता आ सकती है। अर्थव्यवस्था के 5 ट्रिलियन डॉलर के दावों पर सवाल उठ सकते हैं और घरेलू स्तर पर धारणा में नकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। भारत ईरान के होर्मुज के रास्ते करीब 90 फीसदी एलपीजी, 40 फीसदी कच्चा तेल और 50 फीसदी एलएनजी आयात करता है। इनके दाम पहले ही बढ़ हुए हैं, लेकिन अब हमारी अर्थव्यवस्था में गिरावट से भारत का आयात बिल काफी बढ़ जाएगा। उसका दोष पर असर स्पष्ट दिखाई देगा। एक और चर्चा सामने आई है कि रूस, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य खाड़ी देश अब डॉलर के बजाय चीन की मुद्रा-युआन-में तेल और गैस के कारोबार करना चाहते हैं। उन्होंने अमरीका के वर्चस्व को नकारना शुरू कर दिया है। 1974 में जो समझौता किसिंजर ने कराया था, उसके बाद सभी अरब देश डॉलर में तेल-गैस का व्यापार कर रहे थे, लेकिन ईरान युद्ध ने अमरीका के प्रति उनका मोहभंग कर दिया है। बेशक खाड़ी देश 'युआन' में कारोबार करें, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है। भारतीय मुद्रा 'रुपया' ही कई देशों में स्वीकार्य है और भारत उनसे 'रुपए' में ही कारोबार करता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की 2025 की रपट, जो 2026 में भी चर्चा में रही है, के मुताबिक भारत 193 देशों में 130वें स्थान पर है। हम 'मध्यम मानव विकास' श्रेणी में हैं। भारत का मानव विकास सूचकांक जो भी है, उससे साफ है कि 1990 के बाद स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रति व्यक्ति आय में सुधार आया है। साफ है कि भारत की मुद्रा और नीतियां कारगर भी हैं। भारत जापान, ब्रिटेन को पछाड़ कर चौथे स्थान पर पहुंचा था।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अप्रैल, 2026 की रपट के मुताबिक, अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि यह लुढ़क कर छठे स्थान पर आ गई है। जापान 4.38 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथी और ब्रिटेन 4.26 ट्रिलियन डॉलर के साथ 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हो गई हैं। भारत की जीडीपी 4.15-4.17 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। यह गिरावट डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' के अवमूल्यन के कारण है। करीब 95 रुपए की कीमत एक डॉलर के बराबर तक पहुंच गई है। अलबत्ता हमारी अर्थव्यवस्था आज भी विश्व में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है और जीडीपी की विकास-दर भी 6.5-7 फीसदी के बीच है। विकास-दर विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। ईरान युद्ध और उसके बाद तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास-दर बरकरार रही है। यदि 'रुपए' की स्थिति में सुधार होता है, तो हम 2027 में 5वें स्थान पर लौट सकते हैं, लेकिन 2030 से पहले हम चौथा स्थान दोबारा हासिल नहीं कर सकेंगे। हालांकि कुछ वैश्विक रेटिंग एजेंसियों और विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि डॉलर के मुकाबले 'रुपए' की कीमत मजबूत होती है, तो भारत 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है।

कुछ अलग

च्वाइसलेस ख्वाहिशलेस होने के सुख

बंधुओ! मुझे कुछ और पता हो या न, पर यह बहुत बहुत पता है कि जीवन और लोकतंत्र में च्वाइस ख्वाहिश बिल्कुल नहीं होना चाहिए। जो होता है वह मर मर कर जीता है। च्वाइसशील ख्वाहिशशील आदमी को कदम कदम पर दिक्कतों का सामना नहीं, महासामना करना पड़ता है। इसलिए, च्वाइसों ख्वाहिशों की मुसीबतों से बचते हुए मुझे जो भी, जैसे भी किरदार मिले, उन्हें अपनी च्वाइस ख्वाहिश मान लिया। न होने के बाद भी उसे मान लेने के बहुत लाभ होते हैं। और न होने के बाद भी उसे न मानने के बहुत नुकसान! स्कूल में मास्टर जी जब गणित पढ़ाया करते थे तो लिखवाते थे, मान लो, तुम्हारी जेब में सौ रुपए हैं, तब कम से कम मैं तो तुरंत मान लेता था। जो आपके पास हो ही नहीं सकता, उसे मान लेने में हर्ज ही क्या? कम से कम मन तो बहल जाता है। मान लेते हैं तो खाली मन होने के बाद भी मन मदमद तो हो जाता है। तब जो अपनी फटी जेब में कुछ टटोलते न मानने की आधी अधूरी कोशिश करते उनकी पिटने की पूरी संभावना होती। बाद में वे भी पिटने के बाद मान लेते। भले ही फटी जेब में दस पैसे भी न होते थे। मैं जब बाजार जाता हूं तो अपनी च्वाइस ख्वाहिश घर में ही छोड़ जाता हूं। शुद्ध देसी घी लिखे के रेट पर जो भी नकली फकली घी मिलता है, बिना किसी सोच विचार के ले आता हूं। जब मंदिर के नकली घी के लड्डू प्रसाद के रूप में भक्त खा सकते हैं तो मैं क्यों नहीं खा सकता? मैं भक्तों से अधिक समझदार हूं क्या? मैं जब बाजार जाता हूं तो अपनी च्वाइस ख्वाहिश घर में ही छोड़ जाता हूं। शुद्ध मसालों के रेट पर जो भी नकली फकली मसाले मिलते हैं, बिना किसी सोच विचार के ले आता हूं।

आज भारत में मानक व अमानक, वैध एवं अवैध से परे सैकड़ों नामों से पैकेज्ड पानी बिक रहा

जन-जन को मिले जलाधिकार

डा.वेदप्रकाश

कुछ लोग जल का व्यापार करें और कुछ लोग बूंद बूंद को तरसें। क्या यह जन-जन के जलाधिकार का हनन नहीं है? शासन- प्रशासन मौन क्यों है? क्या हम नहीं जानते कि जल जीवन तत्व है, अमृत है और प्रत्येक जीवधारी के लिए परमात्मा द्वारा दिया गया उपहार है। जल के बिना न तो जीवन संभव है और न ही प्रकृति-संस्कृति की संकल्पना साकार हो सकती है। पृथ्वी पर लगभग 70 प्रतिशत जल होने पर भी पेयजल लगभग 03 प्रतिशत ही है। आज जब जनसंख्या की दृष्टि से भारत सबसे आगे है। नदी, कुएं, तालाब, बावड़ियां, झरने और भूजल निरंतर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। तब क्या हमें जल के संरक्षण- संवर्धन और सदुपयोग पर गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए? ध्यातव्य है कि विगत दिनों इंदौर सहित देश में कई स्थानों पर प्रदूषित पानी पीने से कई लोग असमय मृत्यु के शिकार हो गए। यदि उन्हें स्वच्छ जल का अधिकार मिला होता तो आज वे जीवित होते। भारत की त्यागपूर्वक भोग की संस्कृति ने सर्वे भवंतु सुखिनः के माध्यम से सबके सुख की कामना की है। कुएं, हैंडपंप, झरने और बावड़ियों से उतना ही जल लिया जाता था, जितनी आवश्यकता होती थी। सभी की चिंता करते हुए सभी को पर्याप्त और स्वच्छ जल की उपलब्धता हेतु धनी लोग जगह-जगह कुंए और प्याऊ बनवाते थे। पानी खरीदने और बेचने का विचार ही नहीं था। आज भारत में मानक व अमानक, वैध एवं अवैध से परे सैकड़ों नामों से पैकेज्ड पानी बिक रहा है। पैकेज्ड पानी का व्यापार करने वाली 10 शीर्ष कंपनियों में बिसलेरी, किनले, एक्वाफिना, रेल नीर, टाटा वाटर प्लस, ऑक्सीरिच, किंगफिशर, हिमालयन, बेले एवं नेस्ले प्रमुख हैं। इन कंपनियों का वार्षिक व्यापार लगभग 20 हजार करोड़ रुपए है जिसमें 32 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बिसलेरी सबसे ऊपर है। बाजार में एक लीटर पानी की कीमत लगभग 20 रुपये है। एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन में लगभग 3 लीटर पानी पीना चाहिए, यानी एक व्यक्ति दिन में लगभग 60-70 रुपये का पानी पीता है। परिवार के हिसाब से यह खर्च लगभग 300-400 रुपये प्रति परिवार हो जाता है। क्या यह परिवार की आर्थिकी को प्रभावित नहीं करता? क्या किसी गरीब व्यक्ति के लिए खरीद कर पानी पीना संभव है? स्वास्थ्य जानकारी के अनुसार भारत में पैकेज्ड पानी का चलन 1960 के दशक में शुरू हुआ। कुएं, तालाब, बावड़ी और प्याऊ आदि पर उपलब्ध जल में सभी का अधिकार होता था लेकिन धीरे-धीरे औद्योगीकरण एवं भिन्न-भिन्न प्रकार के प्रदूषणों से ये जल स्रोत प्रदूषित होने लगे। प्याऊ खत्म कर दी गई और विज्ञापनों के माध्यम से बोतल बंद पानी पीने वालों को ही स्वस्थ और सभ्य दिखाया जाने लगा। प्रश्न यह है कि जब जल पर मानव सहित सभी जीवधारियों का अधिकार है तो उसे भूगर्भ से निकालकर, नदी- झरनों से लेकर व्यावसायिक प्रयोग के लिए कुछ कंपनियां अथवा लोग कैसे दोहन कर सकते हैं? देश के अनेक हिस्सों में अवैध रूप से नदियों, झरनों और

शासन- प्रशासन मौन क्यों है? क्या हम नहीं जानते कि जल जीवन तत्व है, अमृत है और प्रत्येक जीवधारी के लिए परमात्मा द्वारा दिया गया उपहार है। जल के बिना न तो जीवन संभव है और न ही प्रकृति-संस्कृति की संकल्पना साकार हो सकती है। पृथ्वी पर लगभग 70 प्रतिशत जल होने पर भी पेयजल लगभग 03 प्रतिशत ही है। आज जब जनसंख्या की दृष्टि से भारत सबसे आगे है। नदी, कुएं, तालाब, बावड़ियां, झरने और भूजल निरंतर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। तब क्या हमें जल के संरक्षण- संवर्धन और सदुपयोग पर गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए? ध्यातव्य है कि विगत दिनों इंदौर सहित देश में कई स्थानों पर प्रदूषित पानी पीने से कई लोग असमय मृत्यु के शिकार हो गए। यदि उन्हें स्वच्छ जल का अधिकार मिला होता तो आज वे जीवित होते। भारत की त्यागपूर्वक भोग की संस्कृति ने सर्वे भवंतु सुखिन: के माध्यम से सबके सुख की कामना की है। कुएं, हैंडपंप, झरने और बावड़ियों से उतना ही जल लिया जाता था, जितनी आवश्यकता होती थी।

भूगर्भ से जल निकालकर खुलेआम बेचा जा रहा है। नदियां और झरनें सूख रहे हैं। उनके बहाव क्षेत्र में रहने वाले लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में ये लोग आवश्यकता के लिए पानी खरीदने को मजबूर हैं। क्या यह इन लोगों के जलाधिकार का हनन नहीं है? क्या व्यवसाय के लिए दोहन कर रहे लोग इस जल के बदले किसी को कोई कीमत दे रहे हैं? देश के कई हिस्सों में और विशेष रूप से महानगरों व पर्वतीय क्षेत्रों में शासन- प्रशासन की मिलीभगत से जल माफिया पनप रहे हैं। नहर, बांध एवं पाइपलाइन से स्थानांतरित किए जाने वाले जल का बड़ा हिस्सा लीकेज के कारण बर्बाद होता है। विभिन्न स्थानों पर घरों में सप्लाई हेतु बिछाई गई पाइपलाइन जर्जर हैं। कई स्थानों पर उन्हें अवैध रूप से तोड़कर पानी लिया जाता है और बाकी व्यर्थ बहता रहता है। इसकी निगरानी हेतु कोई व्यवस्था भी दिखाई नहीं देती। क्या यह जिन्हें जल नहीं मिल पा रहा है और पानी के लिए सरकार को पैसा भी दे रहे हैं उनके जलाधिकार का हनन नहीं है? 23 मार्च 2026 को छपा एक समाचार बताता है कि भूजल के अवैध दोहन के कारण राष्ट्रीय राजधानी डे जीरो की तरफ बढ़ रही है, अर्थात राजधानी में वर्षा जल संचयन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। न ही उपचारित पानी के उपयोग को बढ़ावा मिल रहा है और न ही पानी की बर्बादी रुक रही है। पानी की कमी को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर भूजल का अवैध दोहन हो रहा है। आंकड़ों के अनुसार राजधानी में लगभग 1250 मिलियन गैलन पानी की प्रतिदिन आवश्यकता है। इसकी तुलना में केवल 1000 मिलियन गैलन पानी ही उपलब्ध है। जितना उपलब्ध है उसमें से भी लगभग आधा चोरी या रिसाव के कारण बर्बाद हो जाता है जबकि समय-समय पर पाइप लाइन की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए करोड़ों रुपया आवंटित किया जाता है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2050 तक विश्व के कई शहर डे जीरो की स्थिति में पहुंच सकते हैं। जिसमें भारत के दिल्ली, जयपुर, चेन्नई, हैदराबाद व बेंगलूर जैसे प्रमुख शहर शामिल हैं। चिंताजनक यह भी है कि राष्ट्रीय राजधानी जैसे स्थान पर वर्षा जल संचयन की विभिन्न योजनाएं होने पर भी उचित व्यवस्था न होने के कारण प्रतिवर्ष वर्षा जल का लगभग 85 प्रतिशत नालों में बेकार बह जाता है। क्या इस प्रकार की स्थिति जन-जन के जलाधिकार हेतु एक बड़ी समस्या नहीं है? नदियां सिंचाई पेयजल एवं औद्योगिक आपूर्ति की एक बड़ी स्रोत हैं। देश की छोटी बड़ी कई नदियां भयानक रूप से प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। कई नदियों में अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट एवं सीवेज खुलेआम बहाया जा रहा है। कई नदियों पर बांध बना दिए गए हैं, जिससे नदी को उसके जीवन के लिए बहाव हेतु जल ही नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में नदी का पारिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ा रहा है। नदियां दम तोड़ रही हैं। इन नदियों के आसपास रहने वाले लोग विस्थापन को मजबूर हैं। नदियों को जोड़ने से सभी को पेयजल की सुनिश्चितता संभव है। चिंताजनक है कि विगत दिनों जल संसाधन संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में नदी जोड़ो परियोजना के तहत आवंटित बजट का पूरा उपयोग न होने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। वित्तीय वर्ष 2025-2026 के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में बताया गया है कि इसके लिए 1808 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। जिसमें से केवल 25 प्रतिशत ही खर्च हुआ है, यानी परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति धीमी रही है। क्या इस प्रकार की परियोजनाओं में सुस्ती गंभीर अपराध नहीं होना चाहिए? सर्वविदित है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जल स्रोत तेजी से प्रभावित हो रहे हैं। विगत दिनों अर्थ साइंस रिव्यूज नामक पत्रिका में प्रकाशित एक शोध में यह स्पष्ट हुआ है कि विगत 30 वर्षों में पूर्वी हिमालय से लगभग 30 प्रतिशत बर्फ की परत घट गई। चिंताजनक यह भी है कि ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से ग्लेशियर झीलें बढ़ रही हैं जिनके फटने की घटनाएं भी जारी हैं। पर्वतीय और हिमालयी क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न रूप में निर्माण भी वहां की पारिस्थितिकी एवं जल संरचनाओं को नुकसान पहुंचा रहा है। पहाड़ों में कई स्थानों पर वैध अथवा अवैध निर्माण से जल स्रोत सूख रहे हैं जिससे यहां के लोग पहाड़ों को छोड़कर मैदानों में आकर बस रहे हैं। भूजल दोहन की स्थिति भी चिंताजनक है। जल स्रोतों से मानव शक्ति अथवा पशु शक्ति के जरिए जल लेने के स्थान पर अब यांत्रिक शक्ति से जल का दोहन किया जा रहा है। खेती और औद्योगिक आपूर्ति जैसे कार्यों के लिए भूजल दोहन निरंतर बढ़ रहा है। सबसे अधिक भूजल दोहन करने वाले राज्यों में पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा एवं हिमाचल सबसे आगे हैं। इसके दुष्परिणाम से कुएं, हैंडपंप, ट्यूबवेल और तालाबों के पानी का स्तर अचानक नीचे जा रहा है। आईआईटी गांधीनगर के एक शोध से यह स्पष्ट हुआ है कि वर्ष 2002 से 2021 तक उत्तर भारत में लगभग 450 घन किमी भूजल घट गया है। क्या इस प्रकार के शोध भविष्य में जल संकट की भयावहता के संकेत नहीं कर रहे हैं।

देश | दुनीया से

किसानों और कृषि के सामने मानसून का जोखिम

हाल ही में विश्व बैंक ने कहा है कि वर्ष 2026 में कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने और विकास दर में कमी की चुनौती होगी। भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। स्काईमेट की रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन में 5 प्रतिशत कम-ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाने वाली दलहन-तिलहन फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बड़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल कृषि, वरन अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। पेयजल समस्या बढ़ सकती है। नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मॉनसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मॉनसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी है। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मॉनसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग देश में कुल 183.565 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) क्षमता वाले 166 प्रमुख जलाशयों के भंडारण पर नजर रखता है। इस समय इन जलाशयों में कुल क्षमता का

44.71 प्रतिशत है। हाल में इसमें तेजी से कमी आई है। वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी पिछले वर्ष के 328.04 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है। ये एक और अच्छी फसल की संभावना का संकेत देता है। एफसीआई के पास केंद्रीय पूल में एक अप्रैल 2026 को लगभग गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का उपलब्ध स्टॉक खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की मजबूती है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रकाशित निर्यात आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 55 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कृषि निर्यात के लिए देश के कृषि निर्यात परिदृश्य पर यह उभकर दिखाई दे रहा है कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात चार गुना, फलों और दालों का निर्यात तीन गुना, खाद्यान्न का निर्यात दो गुना और चावल के निर्यात में करीब 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत सरकार ने घरेलू बाजारों को स्थिर करने और उत्पादकों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक और किसान-केंद्रित कदम उठाते हुए 50 लाख मीट्रिक टन गेहूं और अतिरिक्त 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दे दी है। लेकिन कमजोर मानसून के चलते आगामी निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए सजगता रखी जाए। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। निस्संदेह, कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। इस समय जो खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत है, उसके बढ़ने की आशंका होगी। अतएव मूल्यों की रोकथाम की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा। सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा।

आप का | नजरीया

इस जिद्द का एहसास

राजनीत में सरकार के शिल्प और ओहदों में बंटती खीर के पैमाने अलग हो सकते हैं, मगर चुनावी इम्तिहान की इबारत हमेशा बदल जाती है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल की करवटें सरकार के चौथे-पांचवें साल में तीव्रता से इतिहास लिखने लगी हैं। मिशन रिपीट के आईने अगर किसी भी सरकार को रास नहीं आए, तो क्या इस बार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू कुछ अलग प्रयोग कर रहे हैं। जाहिर है अब कीर्ति को आजमाने, सुशासन को बतियाने और विकास को समझाने का दौर शुरू हुआ है। चुनाव को दिखाने और जनता को बताने की कोशिशों में वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल, जयराम ठाकुर के बाद अब सुक्खू सरकार की बारी है। ऐसे में हर मुख्यमंत्री के प्रयोगों से सियासी उपभोक्तावाद पैदा हुआ, लेकिन सरकारी चोंच से अक्सर जनता ही दाना ले उड़ी। कसौटियां बदलीं जरूर, मगर जन चेतना के फलक पर हिमाचल का मूड असहाय परिस्थितियों का वारिस बना रहा। वीरभद्र सिंह ने राजनीतिक धरती को समतल बनाने की कोशिश में दरबार मूव जैसी कोशिशें कीं, तो जयराम ठाकुर ने जनमंच का उपयोग किया। दरवाजे खोलकर प्रेम कुमार धूमल ने जनता की खिदमत में भंडार खोले। इसी दौर में इरादों और वादों की बारात लेकर सुक्खू आए, तो आर्थिक चुनौतियों का सामना हिमाचल की जागीर बन गया। वाईएस परमार व शांता कुमार के बाद वे ऐसे मुख्यमंत्री साबित हो रहे हैं, जो हिमाचल के संसाधनों में भविष्य देखने की कोशिश करते हैं। बागबानी के जिन संदर्भों से वाईएस परमार ने सेब राज्य की उपमाओं से भर दिया, कमोबेश ग्रामीण आर्थिकी के उसी प्रारूप को सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन व प्राकृतिक खेती की गोद में भर दिया है। सरकारी ढांचे में अगर शांता कुमार ने हलचल मचाई, तो सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राजस्व विभाग की तख्तियों पर इंतकाल जैसे कार्यों को मुकम्मल करने की जिद्द लिख दी। यही जिद्दी एहसास कभी केंद्र से टकराता है, तो कभी हिमाचली अधिकारों की बात को आत्मनिर्भरता से जोड़ता है। काश! यह जिद्द सत्ता और विपक्ष में एक साथ जुड़ जाए। दोनों पक्ष शानन विद्युत परियोजना के मालिकाना हक, केंद्रीय उपक्रमों के विद्युत उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी, पंजाब पुनर्गठन की लेनदारियों, वाटर सैस और पर्यावरणीय भरपाई के रूप में केंद्र से अपने न्यायिक अधिकार हासिल करने में एकजुट हो जाएं। आर्थिक संकट के दौर में सियासी प्राथमिकताओं के बजाय राजनीति हिमाचल के प्रति न्याय करना सीखे, तो हम परिवारवाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद और अनावश्यक राजनीतिक विवादों से बच सकते हैं, अन्यथा पांच-पांच वर्षों की अदलाबदली में सियासी पतझड़ के कारनामें प्रदेश के प्रति कोई स्थायी या कारगर दृष्टि विकसित नहीं कर पाएंगे। बेशक हिमाचल की हर सरकार और उसके मुखिया जिद्दी रहे हैं और इसी परिप्रेक्ष्य के हरजाने या अफसाने उनके साथ जुड़ गए, लेकिन अपने वक्त के मुताबिक जो सरदार बनकर उभरे, वो हमेशा याद रहेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में भले ही आलोचना के दरमियान सुक्खू के कई इम्तिहान सफल न कहे जाएं, लेकिन कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार परियोजना बना कर सदी की सबसे लंबी रेखा खींच देते हैं। इस परियोजना को अंजाम तक पहुंचा देना और विस्थापन से पुनर्वास तक के हिसाब में माननीय संवेदनाओं को लिख देना आसान नहीं था, लेकिन विकास के इस खाके में सारा दम लगा देना, सुक्खू की परिकल्पना का जिंदा एहसास बनकर रहेगा। जिद्द हो तो परियोजनाओं के तिलक चमक उठते हैं और अगर सियासी जिद्द हो तो संस्थान भी खंडहर हो जाते हैं। पिछले डेढ़ दशक से धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर निर्माण को लेकर प्रेम कुमार धूमल से सुखविंद्र सिंह सरकारों तक के रवैये का विश्लेषण करें, तो मालूम हो जाएगा कि सियासत के एक हाथ में फूल तो दूसरे में हंटर रहता है। कब कहां हंटर चल जाए और कहां फूल बरस जाएं, कोई नहीं जानता।

मिशन रिपीट के आईने अगर किसी भी सरकार को रास नहीं आए, तो क्या इस बार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू कुछ अलग प्रयोग कर रहे हैं। जाहिर है अब कीर्ति को आजमाने, सुशासन को बतियाने और विकास को समझाने का दौर शुरू हुआ है। चुनाव को दिखाने और जनता को बताने की कोशिशों में वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल, जयराम ठाकुर के बाद अब सुक्खू सरकार की बारी है। ऐसे में हर मुख्यमंत्री के प्रयोगों से सियासी उपभोक्तावाद पैदा हुआ, लेकिन सरकारी चोंच से अक्सर जनता ही दाना ले उड़ी। कसौटियां बदलीं जरूर, मगर जन चेतना के फलक पर हिमाचल का मूड असहाय परिस्थितियों का वारिस बना रहा। वीरभद्र सिंह ने राजनीतिक धरती को समतल बनाने की कोशिश में दरबार मूव जैसी कोशिशें की, तो जयराम ठाकुर ने जनमंच का उपयोग किया। दरवाजे खोलकर प्रेम कुमार धूमल ने जनता की खिदमत में भंडार खोले। इसी दौर में इरादों और वादों की बारात लेकर सुक्खू आए, तो आर्थिक चुनौतियों का सामना हिमाचल की जागीर बन गया। वाईएस परमार व शांता कुमार के बाद वे ऐसे मुख्यमंत्री साबित हो रहे हैं, जो हिमाचल के संसाधनों में भविष्य देखने की कोशिश करते हैं। बागबानी के जिन संदर्भों से वाईएस परमार ने सेब राज्य की उपमाओं से भर दिया, कमोबेश ग्रामीण आर्थिकी के उसी प्रारूप को सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन व प्राकृतिक खेती की गोद में भर दिया है।

दृष्टि | कोण

क्यों पिछड़ रहे हैं हमारे कॉलेज?

इस समय भारत सबसे ज्यादा युवा आबादी वाला देश है और यहां बड़ी संख्या में युवा हायर एजुकेशन में एडमिशन ले रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में कॉलेज में जाने वाले छात्रों की संख्या में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही भारत में कॉलेजों की संख्या भी काफी ज्यादा बढ़ गई है। 1950 में भारत में सिर्फ 1600 कॉलेज और यूनिवर्सिटी थे। यही संख्या 2022 में बढ़कर 69000 तक पहुंच गई है। भारत में भले ही कॉलेज में जाने वाले युवाओं की संख्या में उछाल देखा गया हो, लेकिन भारत में कॉलेज एजुकेशन की क्वालिटी अभी भी सवालों के घेरे में है। भारत में कॉलेजों की संख्या तो लगातार बढ़ रही है, लेकिन इन कॉलेजों की रैंकिंग में कोई सुधार नहीं आ रहा है। लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स में भारत के संस्थान पीछे छूटते जा रहे हैं। आखिर ऐसा क्यों है कि इतने संस्थान होने के बावजूद भारत के एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स रैंकिंग में पीछे छूटे जा रहे हैं। आइए समझते हैं- ग्रॉस एनरोलमेंट रेश्यो यानी 18-23 साल की उम्र के युवा जो कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाते हैं, लगातार बढ़ रही है। यह अनुपात 2011 के 16 प्रतिशत से बढ़कर साल 2022 में 28 प्रतिशत हो गया है। भारत में अब 45 लाख युवाओं पर एक कॉलेज है। भारत के कॉलेजों के इंटरनेशनल रैंकिंग में पीछे छूटने की एक बड़ी वजह पर्याप्त फैकल्टी का न होना है। दि हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार आमतौर पर एक कॉलेज में 15-25 छात्रों पर एक फैकल्टी का होना जरूरी है। भारत में यह अनुपात अब तक का सबसे बेहतर साल 2010 में था। उस समय 24 छात्रों पर एक फैकल्टी था। हालांकि, इसके बाद स्थिति खराब होती गई। 2016 में 36.1 छात्रों पर एक फैकल्टी था और 2021 में 32 छात्रों पर एक फैकल्टी। इसका सीधा असर कॉलेज एजुकेशन की क्वालिटी पर पड़ता है। इंटरनेशनल लेवल पर जारी होने वाली रैंकिंग्स में भारत के एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स इसलिए अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते क्योंकि यहां पर पर्याप्त रूप में फैकल्टी नहीं है। कोई भी रैंकिंग जारी होती है उसके कुछ पैमाने होते हैं और फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात इसमें

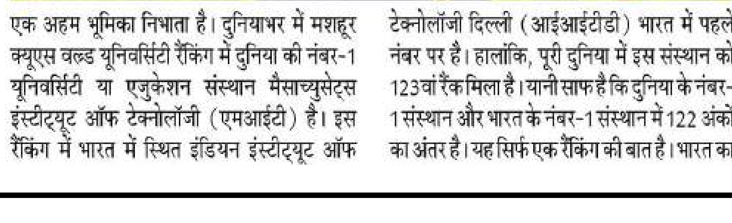

एक अहम भूमिका निभाता है। दुनियाभर में मशहूर क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 यूनिवर्सिटी या एजुकेशन संस्थान मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) है। इस रैंकिंग में भारत में स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली (आईआईटीडी) भारत में पहले नंबर पर है। हालांकि, पूरी दुनिया में इस संस्थान को 123वां रैंक मिला है। यानी साफ है कि दुनिया के नंबर-1 संस्थान और भारत के नंबर-1 संस्थान में 122 अंकों का अंतर है। यह सिर्फ एक रैंकिंग की बात है। भारत का हाल ज्यादातर रैंकिंग में यही है। इसके पीछे वजह भी साफ समझ आती है। मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात 100 प्रतिशत है, यानी निर्धारित मानकों के अनुसार है। वहीं, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली में फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात 21.9 यानी 22 प्रतिशत से भी कम है। यही हाल अन्य पैमानों पर भी है। भारत के ज्यादातर कॉलेजों में यही हाल है। दिल्ली यूनिवर्सिटी भारत की बेहतरीन यूनिवर्सिटी में से एक है। इस यूनिवर्सिटी की बात करें तो इसमें भी फैकल्टी की कमी है। इसी साल की रिपोर्ट है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के 12 कॉलेजों में 980 फैकल्टी की पोस्ट खाली हैं। कुल 1508 फैकल्टी की पोस्ट में से सिर्फ 528 पर्मानेंट टीचर्स हैं। साल 2025 में संसद की स्थायी समिति ने संसद में एक रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इंडिया के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स में 56 प्रतिशत प्रोफेसर के पद खाली पड़े हैं। यानी भारत के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स में 44 प्रतिशत से भी कम फैकल्टी मेंबर्स हैं।

सीएचओ भर्ती-2020 पेपर लीक

एसओजी ने किया जालौर के गणपत लाल मालवाड़ा को गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में संविदा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने इस संगठित गिरोह के सक्रिय सदस्य गणपत लाल मालवाड़ा (31) निवासी जालौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुख्य सूत्रधार भूपेन्द्र सारण का करीबी सहयोगी रहा है और पेपर लीक की साजिश में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि 10 नवंबर 2020 को आयोजित हुई सीएचओ भर्ती परीक्षा के दौरान जयपुर के निवारू रोड स्थित जागृति विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल को केंद्र बनाया गया था। जांच में सामने आया कि गिरोह ने स्कूल के स्ट्रोंग रूम से अप्रयुक्त प्रश्न-पत्रों की

सील खोलकर पेपर लीक किया था। परीक्षा से मात्र दो घंटे पहले प्रश्न-पत्र हासिल कर उसे सॉल्वर टीम से हल करवाया गया और फिर अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराया गया। इस मामले में एसओजी अब तक कुल 20 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें स्कूल संचालक धीरज शर्मा, मुकेश बाना, बलवीर सुंडा, दिनेश विश्नोई, भूपेन्द्र सारण और शेर सिंह मीणा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। गणपत लाल इस मामले में गिरफ्तार होने वाला 21वां आरोपी है। पूछताछ में सामने आया है कि गणपत लाल ने न केवल भूपेन्द्र सारण को सहयोग किया, बल्कि पेपर लीक के माध्यम से अभ्यर्थियों को संगठित रूप से एकत्रित करने और उन्हें लाभ पहुंचाने में भी शामिल रहा। एसओजी अब आरोपी से इस गिरोह के अन्य नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन के बारे में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस को उम्मीद है कि गणपत से पूछताछ में भर्ती परीक्षाओं में सक्रिय अन्य गुर्गों के बारे में भी महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

भाजपा ने राहुल-अखिलेश का प्रतीकात्मक पुतला फूंका

बहराइच (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय के नेतृत्व में बुधवार को भाजपा महिला मोर्चा के साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर जमकर नारेबाजी की। भाजपा कार्यकर्ता नगर के किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पास एकत्रित हुए। प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को महिला विरोधी बताते हुए पहले तो राहुल और अखिलेश का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया फिर दोनों नेताओं के खिलाफ नारेबाजी भी की। भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकत्रियों का कहना था कि महिलाओं के हक में लाये गए इस कानून का विरोध कर विपक्षी दलों ने यह सिद्ध कर दिया है कि वो दल महिला विरोधी हैं। प्रदर्शन में भाजपा सांसद आनन्द गोंड, सोनी श्रीवास्तव, डिम्पल जैन, अर्चना मिश्रा, एकता जायसवाल, अमित शर्मा आदि लोग शामिल थे।

पंजाब के छह जिलों में बिजली कटौती से मचा घमासान, जनता परेशान

विपक्ष ने सरकार को घेरा, मंत्री बोले सिस्टम अपग्रेड करना जरूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शहरों में बुधवार से शुरू हुए बिजली कटों को लेकर राज्य की सियासत गरमा गई है। पंजाब के छह जिलों में आज से बिजली के कट शुरू हुए हैं। यह कट आगामी 26 अप्रैल तक चलेंगे। राज्य सरकार की तरफ से मंगलवार को इस संबंध में सभी समाचार पत्रों में इश्तिहार जारी करके बिजली कटों का कार्यक्रम जारी किया गया है। अधिकारिक रूप से यह कट आठ से दस घंटे तक लगेंगे। पंजाब सरकार ने पीएसपीसीएल के माध्यम से कहा है कि लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, मोहाली, बठिंडा तथा पटियाला में 26 अप्रैल तक बिजली कट लगाए जाएंगे। कट की अवधि कम से कम आठ घंटे रखी गई है। इसके लिए पावरकॉम ने बिजली डिस्ट्रिब्यूशन में सुधार और मॉडर्नाइजेशन का हवाला दिया है। पंजाब में लगातार गर्मी बढ़ रही है और मौसम विभाग ने 3 दिन के लिए हीटवेव का यलो अलर्ट जारी किया है। 21 जिलों में तापमान 35 पार हो चुका है। बिजली कटों से परेशान लोग सड़कों पर उतरकर विरोध कर रहे हैं। बीती रात अमृतसर में बिजली कट से परेशान होकर लोग देर रात को बिजली घर में घुस गए। उन्होंने बिजली घर का गेट तोड़ दिया और खुद ही बिजली सप्लाई चालू कर दी। मुलाजिमों ने रोकने की कोशिश की तो उनके साथ भी धक्कामुक्की की। बुधवार से यह कट नियमित रूप से लगने शुरू हो गए हैं। बिजली कटों से जहां जनता परेशान हो रही है वहीं विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। अकाली दल प्रवक्ता एनके शर्मा ने कहा कि पंजाब सरकार की गलत नीतियों के कारण राज्य में बिजली संकट गहरा गया है। अकाली दल की सरकार में पंजाब बिजली उत्पादन के मामले में सरप्लस स्टेट था लेकिन आज हालात यह हैं कि बिजली महंगे दामों पर खरीदी जा रही है। कट को लेकर बिगड़ते हालात के बीच पंजाब के बिजली मंत्री संजीव आरोड़ा सामने आए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि पीएसपीसीएल द्वारा घोषित नियोजित बिजली कटौती का उद्देश्य सिस्टम अपग्रेड के माध्यम से बिजली आपूर्ति में सुधार करना है। इससे होने वाली असुविधा के लिए खेद है, लेकिन ये सुधार लंबे समय में उपभोक्ताओं के लिए काफी लाभकारी साबित होंगे।

हरियाणा के सिरसा में मिला *पीआईए* लिखा पाकिस्तानी गुब्बारा, पुलिस ने कब्जे में लिया

सिरसा (हिंस)। हरियाणा के सिरसा जिले के नाथूसरी चोपटा क्षेत्र में बुधवार को *पीआईए* के लोगो वाले एक संदिग्ध विमान के आकार के एक गुब्बारा मिलने से इलाके में हलचल मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गुब्बारे को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह गुब्बारा गांव खेड़ी की ढाणी के खेतों में मिला। किसान जयबीर शर्मा ने बताया कि सुबह वह खेतों की तरफ गया तो उसे एक गुब्बारा दिखा जिस पर पीआईए लिखा हुआ था। गांव खेड़ी के अन्य लोगों को यह खबर मिली तो वे भी मौके पर पहुंच गए और पुलिस को मामले से अवगत करवाया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर गुब्बारे की जांच की और उसे अपने कब्जे में ले लिया है। पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने की घटना चोपटा क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हवा के साथ उड़कर गुब्बारा सिरसा आया है, क्योंकि इससे पहले भी डबवाली, रानियां व ऐलनाबाद क्षेत्र में इस तरह के गुब्बारे मिल चुके हैं। सिरसा जिला पंजाब व राजस्थान के सीमा से सटा हुआ है और हवा के रूख के साथ पाकिस्तानी गुब्बारे यहां तक पहुंच जाते हैं। बीती 15 अप्रैल को भी जिले के गांव चामल में पाकिस्तान लिखा एक गुब्बारा मिला था। इससे पहले दो माह पूर्व एलनाबाद के गांव धौलपालियां व रानियां कस्बे के गांव मतुवाला के खेतों में पाकिस्तानी गुब्बारा मिला था। गुब्बारा पर पाक लिखा हुआ था और दूसरी तरफ पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन लिखा था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। चोपटा थाना प्रभारी ने बताया कि गांव खेड़ी क्षेत्र से पीआईए लिखा एक गुब्बारा बरामद किया गया है, मामले की जांच की जा रही है और डरने जैसी कोई बात नहीं है।

डिप्टी स्पीकर ने जींद पॉलीक्लीनिक पर मारा छापा, मिली खामियां

जींद (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने बुधवार को पॉलीक्लीनिक पर छापेमारी की। इस दौरान चिकित्सक और स्टाफ गायब मिला। सफाई व्यवस्था का बुरा हाल था और सीसी टीवी कैमरे भी बंद पाए गए। डिप्टी स्पीकर ने नदारद रहे स्टाफ के खिलाफ सख्त कार्रवाई व विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर देने की बात कही। डिप्टी स्पीकर ने निरीक्षण के दौरान पॉलीक्लीनिक में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल पाया तो मौके पर मौजूद स्वास्थ्य अधिकारियों को लताड़ लगाई। सीसीटीवी कैमरे भी बंद पाए जाने पर संदेह व्यक्त किया। गौरतलब है कि जींद पॉलीक्लीनिक में उपचार न मिलने को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिस पर बुधवार को डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने जींद पॉलीक्लीनिक का निरीक्षण किया। छापे के दौरान पॉलीक्लीनिक में चिकित्सक और अन्य स्टाफ सदस्य गायब पाए गए। ओपीडी समय के दौरान भी वार्ड में कोई मौजूद नही था। जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सफाई व्यवस्था की जांच में पॉलीक्लीनिक की स्थिति बेहद खराब पाई गई। कमरों में कचरा था, जैसे वह कई दिनों से खुले नही हों। इसके अलावा सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसी टीवी कैमरे भी बंद मिले। जो स्वास्थ्य केंद्र की सुरक्षा व स्वास्थ्य अधिकारियों की लापरवाही

पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। इस छापेमारी से स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अगले कुछ दिनों में पॉलीक्लीनिक की समीक्षा बैठक बुलाई जाए और सभी कमियों को दूर किया जाए। डिप्टी स्पीकर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुमन कोहली से पॉलीक्लीनिक व यहां मौजूद पंचक्रम व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी हासिल करनी चाहिए और स्टाफ की अनुपस्थिति और सुविधाओं की कमी पर सवाल पूछे तो वो इन सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि नदारद रहे स्टाफ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाएं जनता की मौलिक जरूरत हैं और इन्हें किसी भी कीमत पर लापरवाही का शिकार नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने डीसी और सीएमओ को निर्देश दिए कि अनुपस्थित स्टाफ की सूची तैयार कर तुरंत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही सफाई व्यवस्था को तुरंत सुधारने और सीसीटीवी कैमरों को चालू करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाने को कहा।

राजधानी में वीवीआईपी का आगमन पर 25 अप्रैल को नो-ड्रोन जोन घोषित

जयपुर (हिंस)। राजधानी में 25 अप्रैल को प्रस्तावित अतिविशिष्ट व्यक्ति (वीवीआईपी) के दौरे को देखते हुए जयपुर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर शहर के कई हिस्सों को *अस्थाई रेड जोन* (नो-ड्रोन जोन) घोषित किया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार आदेश के अनुसार वीवीआईपी के महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम (जेएलएन मार्ग) और राजस्थान विश्वविद्यालय के कन्वोकेशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रमों के मद्देनजर सांगानेर, एयरपोर्ट, जवाहर सर्किल, मालवीय नगर, बजाज नगर, गांधी नगर, मोती डूंगरी और जवाहर नगर थाना क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंधात्मक आदेश 25 अप्रैल 2026 को प्रात: 6 बजे से सायं 5 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि के दौरान इन 8 थाना क्षेत्रों की सीमा में किसी भी प्रकार के निजी या व्यावसायिक ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं होगी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. राजीव पचार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वीवीआईपी की सुरक्षा सुनिश्चित करना नितांत आवश्यक है। ड्रोन से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कानून की सुसंगत धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आयुक्तालय ने सभी नागरिकों और ड्रोन ऑपरेटरों को इस आदेश की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए यह आदेश एक पक्षीय रूप से जारी किया गया है।

गर्मी की तपिश से आमेर के गजराज बेहाल अब कूलर-पंखों की हवा में रहेंगे हाथी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में बढ़ती भीषण गर्मी का असर अब आमजन के साथ-साथ आमेर की शान गजराजों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा लू की चेतावनी के बीच जयपुर के हाथी गांव में हाथियों की विशेष देखभाल शुरू कर दी गई है। गर्मी से बचाने के लिए उनके रहन-सहन और खान-पान में कई बदलाव किए गए हैं। हाथी मालिक विकास समिति के अध्यक्ष बल्लू खान ने बताया कि हाथियों के थानों में पंखे और कूलर लगाए गए हैं। तापमान बढ़ने पर कूलरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा हाथियों के नाखूनों पर आयुर्वेदिक तेल से नियमित मालिश की जा रही है, ताकि तेज गर्मी के कारण उनमें दरार न पड़े। हाथियों के शरीर का तापमान संतुलित रखने के लिए उनके आहार में ठंडी तासीर वाली चीजें शामिल की गई हैं। उन्हें खीरा और तरबूज जैसे ताजे फल खिलाए जा रहे हैं। साथ ही सत्तू का शरबत और नारियल पानी भी पिलाया जा रहा है। दिन में कम से कम तीन बार तालाब में स्नान कराया जा रहा है, जिससे उन्हें गर्मी से राहत मिल सके। आमेर महल के अधीक्षक राकेश छोलक ने बताया कि हाथियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सवारी का समय सुबह 7 बजे से 10-30 बजे तक सीमित कर दिया गया है। साथ ही प्रत्येक हाथी को सप्ताह में दो दिन का अनिवार्य विश्राम दिया जा रहा है। वर्तमान में एक दिन छोड़कर एक दिन ही हाथियों को सवारी के लिए भेजा जा रहा है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए है। वरिष्ठ पर्यटक गाइड विनोद कुमार शर्मा के अनुसार आमेर की हाथी सवारी पर्यटकों के लिए राजसी परंपरा का जीवंत अनुभव है। इसे देखते हुए प्रशासन और हाथी मालिक यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भीषण गर्मी के बीच भी इन बेजुबान जीवों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। गौरतलब है कि बढ़ते तापमान के बीच अपनाए जा रहे ये उपाय न केवल पशु संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं, बल्कि पर्यटन व्यवस्था को संतुलित बनाए रखने में भी सहायक साबित हो रहे हैं।

पानी की मांग को लेकर प्रदर्शन सड़कों पर उतरी महिलाएं

जोधपुर (हिंस)। बढ़ती गर्मी के बीच शिव कॉलोनी चांदना भाखर क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या को लेकर बुधवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लंबे समय से जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रवासी सड़कों पर उतर आए और प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि इलाके में कई दिनों से नियमित पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। बार-बार शिकायत के बावजूद जलदाय विभाग और जनप्रतिनिधियों ने समस्या के समाधान की गंभीर कोशिश नहीं की। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की किल्लत ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। स्थानीय महिलाओं और बुजुर्गों ने बताया कि उन्हें रोजाना दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे समय और श्रम दोनों की भारी बर्बादी हो रही है। पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। गुस्साए लोगों ने विधायक, पूर्व पार्षद और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। आरोप लगाया कि चुनाव के समय किए गए वादे अब खोखले साबित हो रहे हैं। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

2023 के महिला आरक्षण कानून को लागू करे सरकार : अजय राय

वाराणसी (हिंस)। नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी सियासत उबलने लगी है। एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा ने लोकसभा में बिल पास न होने पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल लिया है। वहीं, कांग्रेस भी पत्रकार वार्ता और अन्य कार्यक्रमों के जरिए केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे कठघरे में खड़ा करने के लिए सियासी सवाल दाग रही है। बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अपने लहुराबीर स्थित आवासीय कार्यालय पर अपनी पत्नी रीना राय के साथ केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर व्यापक सवाल उठाए। वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक सितंबर 2023 में संसद से पारित हो गया। राष्ट्रपति की मंजूरी भी प्राप्त हो गई। लेकिन आज तक लागू नहीं किया गया। अगर यह ऐतिहासिक कानून था, तो इसे लागू करने में ढाई साल क्यों लग गए? उन्होंने कहा कि महिलाओं को अधिकार देने का वादा किया गया, लेकिन उन्हें केवल इंतजार और भ्रम मिला। अजय राय ने आरोप लगाया

कि 2026 में महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ना एक सोची-समझी चाल है। यह साफ संकेत है कि सरकार महिलाओं को उनका अधिकार तुरंत नहीं देना चाहती। यह नारी सम्मान नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रबंधन है। उन्होंने कांग्रेस का पक्ष रखते हुए कहा कि वर्ष 2010 में कांग्रेस सरकार ने महिला आरक्षण को आगे बढ़ाया। 2023 में भी कांग्रेस ने संसद में इसका समर्थन किया। आज भी कांग्रेस की मांग-बिना शर्त तत्काल इसे लागू करने की है। कांग्रेस ने कभी महिला आरक्षण का विरोध नहीं किया, हमने सिर्फ इसे टालने की राजनीति का विरोध किया है। अजय राय ने महिला आरक्षण के भीतर सामाजिक न्याय का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एससी और एसटी के लिए प्रावधान हैं, लेकिन ओबीसी महिलाओं के लिए स्पष्ट व्यवस्था क्यों नहीं है।

सांसद पप्पू यादव के बयान पर भाजपा महिला विधायकों ने पूरे देश की महिलाओं से माफी मांगने की मांग की

पटना (हिंस)। पूर्णिया सांसद के बयान पर बिहार भाजपा महिला नेताओं ने आक्रोश जताया है। भाजपा कार्यालय में बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक श्रेयषी सिंह ने कहा कि पप्पू यादव को भारत के सभी महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव का यह बयान कौरवों की दुष्ट सोच की तरह उनकी सोच को दर्शाती है। अगर विपक्ष के नेताओं की घर की बेटी आगे बढ़ती हैं तो उनके लिए भी यह सोच हो सकती है। विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैंने राजनीति की शुरुआत थोड़ी दिन पहले ही किया है, लेकिन इतना बता सकती हूं कि पप्पू यादव की मानसिकता ठीक नहीं है। उन लोगों को क्या कहे जिनकी सोच ही इतनी खराब है। पप्पू यादव को सामने आकर माफी मांगनी चाहिए। तेजस्वी यादव, राहुल गांधी सहित सभी लोग माफी मांगे। बगैर माफी मांग उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा विधायक संगीता कुमारी ने कहा कि वैसे व्यक्ति जो खुद राजनीति में हैं। उनके घर की महिलाएं भी राजनीति कर कर रही है। देश में नारी की पूजा की जाती है। पप्पू यादव की तरफ से जो बात कही गई है तो राहुल गांधी सहित विपक्ष के नेता से कहना चाहती हूं कि आप लोगों को माफी

मांगनी चाहिए। सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी होगी, नहीं तो महिलाएं जानती हैं कैसे अपने सम्मान की रक्षा करना है। विधायक अनामिका पटेल ने कहा कि हम महिलाएं जिस वंशज से आते हैं, पूरे देश को पता है। उन्होंने कहा पप्पू यादव के बयान से उनकी पत्नी रंजिता बहन भी लज्जित होंगी। मैं रंजिता जी को कुछ नहीं कहूंगी लेकिन हमे पता है कैसे सबक सीखने हैं। पप्पू यादव मनुष्यता से पशुता की ओर बढ़ रहे हैं। अगर सीमा से ज्यादा हो गया है तो सजा तय है। उल्लेखनीय है कि पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने बीते 20 अप्रैल को महिला आरक्षण पर विवादित बयान दिया था। पप्पू यादव ने कहा था कि 90 प्रतिशत महिलाओं का राजनीतिक करियर नेताओं के बेड से शुरू होता है। पूर्णिया सांसद के बयान पर बवाल मच हुआ है। उनके बयान को लेकर जहां महिला आयोग द्वारा नोटिस जारी किया गया है वहीं अब बीजेपी की महिला नेत्रियों ने उनपर हमला बोलीं है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने मानव श्रृंखला का किया निर्माण

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के तिरसकुंड स्थित प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस मनाई गई, जिसमें बच्चों के जागरूक करते हुए पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी को सुरक्षित रखने को लेकर अधिक से अधिक संख्या पेड़ पौधे लगाने की अपील की। मौके पर स्कूल के शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि 1970 में शुरू हुआ यह दिवस अब 190 से अधिक देशों में मनाया जाता है और इस साल हमारी शक्ति, हमारा ग्रह के तहत नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना थीम है। कार्यक्रम में रंजीत कुमार मंडल ने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस के मुख्य उद्देश्य प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण के प्रति चेतना जगाना है। वहीं प्रधान शिक्षक मिथिलेश कुमार सिंह ने कहा कि इसकी शुरुआत और स्थापना अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने 22 अप्रैल 1970 को की थी। कवि

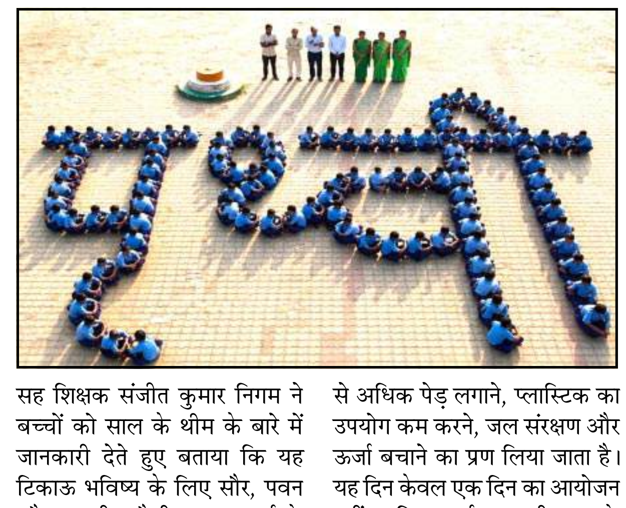

सह शिक्षक संजीत कुमार निगम ने बच्चों को साल के थीम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह टिकाऊ भविष्य के लिए सौर, पवन और भूतापीय जैसी स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग पर केंद्रित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी के संरक्षक के रूप में, हमारा कर्तव्य है कि हम विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाएं। इस दिन अधिक से अधिक पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने, जल संरक्षण और ऊर्जा बचाने का प्रण लिया जाता है। यह दिन केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि पर्यावरण की रक्षा के लिए एक सतत आंदोलन की आवश्यकता है। इस अवसर पर बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर पृथ्वी दिवस लिखकर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में नव चयनित बाल संसद इको क्लब के बच्चों ने भी अपनी मातृभाषा संथाली भाषा में विचार रखे।

चंडीगढ़ में मुठभेड़ के बाद हरियाणा का गैंगस्टर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ पुलिस ने बुधवार अल सुबह हरियाणा के एक गैंगस्टर को मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया। दोनों तरफ से करीब 5 राउंड फायरिंग हुई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान मुकेश गोलू के रूप में हुई है, जो हरियाणा के गोहाना का रहने वाला है। मुठभेड़ के दौरान उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में सेक्टर-16 के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि आरोपी चंडीगढ़ में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इसके बाद ऑपरेशन सेल की टीम ने सेक्टर-25 के रैली ग्राउंड के पास उसकी घेराबंदी की। जैसे ही पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, आरोपी ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। दोनों ओर से कुल 5 राउंड फायर हुए, जिनमें से 3 राउंड आरोपी ने और 2 राउंड पुलिस की ओर से चलाए गए।

टिम कुक छोड़ रहे एप्पल सीईओ का पद अब कार्यकारी अध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे

कुक के पास हैं 2.9 अरब डालर की संपत्ति, आलीशान हवेलियां, महंगी प्रापर्टीज

नई दिल्ली

करीब 15 सालों तक एप्पल कंपनी की कमान संभालने के बाद टिम कुक अब सीईओ का पद छोड़ रहे हैं और कार्यकारी अध्यक्ष की नई भूमिका निभाएंगे। उनकी जगह अब जान टर्नस एप्पल के नए सीईओ होंगे। टिम कुक का कार्यकाल ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि उनके नेतृत्व में एप्पल की वैल्यू 350 अरब डालर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गई। अपनी इस अपार सफलता के साथ, टिम कुक ने एक बेहद अनुशासित लेकिन आलीशान जीवनशैली बनाई है। फोर्ब्स के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति करीब 2.9 अरब डालर है। उनके पास न केवल एप्पल के करोड़ों के शेयर्स हैं, बल्कि उन्होंने रियल एस्टेट में भी एक बड़ा निवेश किया है। कुक अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं और सालों तक वह कैलिफोर्निया के पालो आल्टो में एक साधारण घर में रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों में उन्होंने अपनी संपत्ति का विस्तार किया। रिपोर्ट के मुताबिक कुक का रियल एस्टेट पोर्टफोलियो उनकी सफलता और उनकी निजी पसंद के बीच के संतुलन को दिखाता है, जहां एक तरफ सादगी है, तो दूसरी तरफ दुनिया के सबसे सफल व्यक्तियों वाली भव्यता भी। रिपोर्ट के मुताबिक पालो आल्टो में टिम कुक का निवास 2,400 वर्ग फुट में फैला है, जो साधारण होने के साथ-साथ वैभवशाली भी है।

एसयूवी साइरोस का नया अवतार एमवाय26 लान्च

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने अपनी लोकप्रिय काम्पैक्ट एसयूवी साइरोस का नया अवतार एमवाय26 लान्च किया है। रुपए 8.39 लाख की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत के साथ, किआ का उद्देश्य उन ग्राहकों को लुभाना है जो कम बजट में हाई-टेक फीचर्स वाली एसयूवी की तलाश में है। यह अपडेटेड माडल एक ताजा लुक, कई नए वैरिएंट्स और पहले से अधिक विकल्पों में प्रीमियम फीचर्स उपलब्ध कराकर ग्राहकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखता है। नई साइरोस एमवाय 26 पहले से कहीं ज्यादा स्पोर्टी और आधुनिक दिखती है। इसके सामने वाले हिस्से यानी फ्रंट फेशिया को पूरी तरह से नया बंपर, बाडी-कलर्ड एरो इंसर्ट्स और चमकदार ब्लैक स्किड प्लेट्स के साथ बदल दिया गया है, जिसमें खूबसूरती से एकीकृत एलईडी फाग लैंप्स हैं। गाड़ी के पिछले हिस्से में भी नया बंपर और एक नई स्टाप लैंप मिलती है, जबकि ग्लास ब्लैक रूफ रेल्स और नए स्टाइल वाली 17-इंच के क्रिस्टल-कट अलाय व्हील्स इसके साइड प्रोफाइल को बढ़ाते हैं। इंटीरियर और फीचर्स के मामले में, किआ ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। कार के अंदर एक विशाल 30-इंच की पैनोरमिक डिस्प्ले है जो इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दोनों का काम करती है। इसमें डुअल-पेन पैनोरमिक सनरूफ दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

विदेश यात्रा के नियम बदले, बिना पेन कार्ड वालों को अब भरना होगा फार्म-157

नई दिल्ली। विदेश यात्रा की योजना बना रहे लोगों के लिए सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। एक नई व्यवस्था लागू होगी, जिसके तहत पेन कार्ड न रखने वाले यात्रियों को अब विदेश जाने से पहले फार्म 157 भरना अनिवार्य होगा। यह नियम खासकर उन लोगों के लिए है जो आयकर के दायरे में नहीं आते या जिनके पास स्थायी खाता संख्या (पेन) नहीं है। आयकर अधिनियम 2025 और नियम 2026 के तहत लागू इस प्रणाली का लक्ष्य उन यात्रियों का रिकार्ड रखना है जो आयकर के दायरे में नहीं आते। इसका उद्देश्य कर प्रणाली को सुदृढ़ करना और यात्रा डेटा को बेहतर ढंग से ट्रैक करना है। हालांकि, जिन यात्रियों के पास पेन कार्ड है और जो नियमित रूप से आयकर रिटर्न (आइटीआर) :दाखिल करते हैं, उन्हें इस फार्म को भरने की आवश्यकता नहीं होगी। यह फार्म 157 एक स्व-घोषणा प्रमाण पत्र है, जो पुराने फार्म 156 का स्थान लेगा। यह इवेंट-आधारित फार्म है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक विदेश यात्रा के लिए इसे अलग से भरना अनिवार्य होगा। इस फार्म को आनलाइन जमा करने की सुविधा नहीं होगी; यात्रियों को इसे संबंधित क्षेत्रीय आयकर अधिकारी के पास जाकर आफलाइन जमा करना होगा। फार्म भरते समय पासपोर्ट विवरण, व्यक्तिगत जानकारी (नाम, पता), यात्रा का उद्देश्य और विदेश में रुकने की अवधि जैसी जानकारी देनी होगी। आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है, लेकिन सत्यापन के लिए मोबाइल नंबर देना उचित होगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इस नए नियम को यात्रा से पहले अच्छी तरह समझ लें, ताकि बाद में किसी परेशानी से बचा जा सके ।

मार्च में बिकी हीरो स्प्लेंडर की 3.32 लाख से अधिक यूनिट्स

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में भारतीय दोपहिया वाहन बाजार में आज भी स्कूटर की बिक्री का दबदबा देखने को मिलता है। वहीं मोटरसाइकिल सेगमेंट में कुछ ऐसे माडल हैं जिनका आकर्षण सालों से बना हुआ है। खासकर हीरो स्प्लेंडर का इस सेगमेंट में एकतरफा दबदबा है। बीते महीने मार्च 2026 में स्प्लेंडर को एक बार फिर ग्राहकों ने भारी संख्या में खरीदा, और 31 दिनों के भीतर इस मोटरसाइकिल की 3.32 लाख से अधिक यूनिट्स बिक गई। वहीं, होंडा शाइन और बजाज पल्सर भी 1-1 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेचने में कामयाब रहीं, जबकि रायल एनफील्ड जैसी प्रीमियम बाइक भी स्प्लेंडर की बिक्री से काफी पीछे है। मार्च 2026 में हीरो स्प्लेंडर की 3,32,227 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 में बिकी 3,22,529 यूनिट्स से 3.01प्रतिशत अधिक है। होंडा शाइन ने मार्च 2026 में 1,73,098 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 1,51,142 यूनिट्स से 14.53प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। बजाज पल्सर की बिक्री में भी शानदार उछाल आया और मार्च 2026 में इसकी 1,32,248 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 की 1,06,404 यूनिट्स से 24.29प्रतिशत अधिक है। हीरो एचएफ डीलक्स की बिक्री मार्च 2026 में 85,088 यूनिट्स रही, हालांकि इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 7.33प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

आईफोन 18 प्रो माडल जल्द आ रहा है डार्क चेरी रंग में

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी ऐप्पल के आगामी आईफोन 18 प्रो माडल जल्द बाजार में उतारे जाएंगे

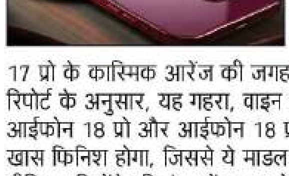

जो कि एक नए और अद्वितीय रंग डार्क चेरी कलर का होगा। यह माडल पिछले आईफोन 17 प्रो के कास्मिक आरेंज की जगह लेगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह गहरा, वाइन जैसा रंग आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स के लिए खास फिनिश होगा, जिससे ये माडल और भी प्रीमियम दिखेंगे। सितंबर में लान्च होने की उम्मीद के साथ, इन फोन्स को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है, जिसमें कई रोमांचक अपग्रेड्स की बात कही जा रही है। डार्क चेरी के अलावा, ऐप्पल हल्के नीले और गहरे ग्रे जैसे अन्य रंग विकल्पों पर भी विचार कर रहा है, साथ ही मौजूदा पीढ़ी जैसा ही एक सिल्वर वेरिएंट भी अभी विकास में है। डिजाइन के मामले में, आईफोन 18 प्रो माडल अपने पूर्ववर्तियों से काफी मिलते-जुलते होंगे, लेकिन कुछ छोटे-मोटे बदलावों के साथ। खास तौर पर, डायनेमिक आइलैंड का आकार छोटा होने की उम्मीद है, जिससे स्क्रीन पर कंटेंट के लिए अधिक जगह मिलेगी।

अमेरिका-ईरान जंग से कच्चे तेल की कीमतों ने बिगाड़ा कई देशों का खेल

संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में चीन, भारत समेत एशियाई देशों को दिया झटका

जेनेवा

अमेरिका और ईरान के बीच जंग फिलहाल थमी है। महीनेभर चले भीषण संघर्ष के बाद बीते दिनों पाकिस्तान के इस्लामाबाद में दोनों के बीच शांति वार्ता हुई थी, लेकिन 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा रही। होर्मुज को लेकर सबसे ज्यादा तनातनी देखने को मिली। दोबारा बढ़ी ग्लोबल टेंशन के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भी फिर से उबाल आने लगा है और इसे देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में चीन, भारत समेत एशियाई देशों को झटका दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएन ने ईरान युद्ध की वजह से चीन और भारत के लिए अपना आर्थिक विकास का अनुमान कम कर दिया है। यही नहीं एशिया के अन्य देशों के इकोनामिक ग्रोथ के अनुमान को कम किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की ग्रोथ 5 फीसदी से भी कम रह सकती है, जो उसके लिए एक बड़ा झटका है। यूएन इकोनामिक एंड सोशल कमीशन फार एशिया एंड द पैसिफिक के एक सीनियर इकोनामिस्ट के मुताबिक चीन की इकोनामी इस साल कम रफ्तार से भागेगी। बीते साल 2025 में चीन की इकानामी ग्रोथे 5फीसदी रही थी, लेकिन इस साल इसके 4.6फीसदी से 4.3फीसदी के बीच बढ़ने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसके पीछे की बड़ी वजह अमेरिका और ईरान युद्ध के साथ ही मिडिल ईस्ट जंग के चलते लगातार बढ़ी कच्चे तेल की कीमतों को बताया है। बता दें पहले वेनेजुएला पर ट्रंप का कंट्रोल, फिर ईरान युद्ध के चलते होर्मुज में रुकावट से तेल गैस सप्लाई बाधित होने का सबसे बुरा असर चीन पर पड़ा है, क्योंकि ये सबसे बड़ा खरीदार है। चीन के लिए ये इसलिए भी बड़ा झटका है, क्योंकि चीन ने पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर 5 फीसदी की ग्रोथ दर्ज करके लचीलापन दिखाया है। चीनी वित्त मंत्री ने भी पिछले सप्ताह इस बात पर जोर दिया था कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वैश्विक विकास का इंजन बनी रहेगी।

एक इकोनामिस्ट हमजा मलिक के हवाले से कहा गया है कि भारत की इकोनामी पिछले साल 7फीसदी से ज्यादा की रफ्तार से बढ़ी थी। वहीं इस साल मिडिल ईस्ट युद्ध के चलते बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें, गैसोलीन और फर्टिलाइजर के बढ़ते दाम का बुरा असर अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर पड़ सकता है। यूएन ने इन तमाम कारणों के चलते इस साल भारत की ग्रोथ रेट पिछले साल के मुकाबले करीब 1फीसदी घटकर 6फीसदी के आस-पास रहने की उम्मीद जाहिर की है।

हमजा मलिक ने यूएन हेडक्वार्टर में एक प्रेस कान्फ्रेंस में इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि एशिया-पैसिफिक ग्लोबल आर्थिक विकास का इंजन बना हुआ है। इसलिए एशिया-पैसिफिक में जो कुछ भी होता है, सिर्फ कुछ देशों के लिए नहीं, बल्कि वह बाकी दुनिया के लिए भी बड़ा मायने रखता है। बीते दिनों एशियाई विकास बैंक ने भी विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र में इस वर्ष आर्थिक विकास की गति धीमी होने का अनुमान जताया था। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि यह क्षेत्र 2026 में 5.1 फीसदी की ग्रोथ रेट हासिल करेगा, जो पिछले साला के 5.4 फीसदी से कम है। इसके लिए कारण बताया था कि तमाम अर्थव्यवस्थाएं मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और लगातार बढ़ रही व्यापार अनिश्चितता से प्रभावित हैं।

रायल एनफील्ड क्लासिक 500 की लोकप्रियता भी बरकरार

नई दिल्ली

बाजार में अब रायल एनफील्ड क्लासिक 500 बाइक बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसकी लोकप्रियता भी बरकरार है। यह अब केवल एक संग्रहणीय वस्तु के रूप में मौजूद है। अगर आप इस प्रतिष्ठित मोटरसाइकिल के मालिक बनने का सपना देख रहे हैं, तो आपको इसके विशेष लघु माडल से संतोष करना होगा, जिसकी कीमत लगभग 88 हजार रुपये रखी गई है। रायल एनफील्ड की यह मोटरसाइकिल सिर्फ एक वाहन नहीं थी, बल्कि इसने कंपनी की नई पहचान गढ़ने में अहम भूमिका निभाई थी। वर्ष 2009 में पेश की गई इस बाइक ने अपने पारंपरिक डिजाइन, दमदार इंजन और खास ध्वनि के कारण लोगों के दिलों में जगह बनाई। लंबे समय तक यह उन लोगों की पहली पसंद रही, जो केवल गति नहीं बल्कि एक अलग और क्लासिक अनुभव की तलाश में रहते थे। हालांकि, इस लोकप्रिय मोटरसाइकिल का सफर वर्ष 2020 में समाप्त हो गया, जब कड़े उत्सर्जन मानकों के लागू होने के कारण कंपनी को इसे बंद करना पड़ा। इसके साथ ही इसका विशिष्ट इंजन और पहचान बन चुकी आवाज भी इतिहास का हिस्सा बन गई।

वर्ष 2026 तक आते-आते रायल एनफील्ड क्लासिक 500 केवल एक संग्रहणीय वस्तु के रूप में रह गई है। कंपनी के परिधान और सहायक उत्पाद विभाग ने इसका एक विशेष लघु माडल पेश किया है, जो मूल मोटरसाइकिल की हूबहू झलक देता है। यह लघु माडल कोई सामान्य खिलौना नहीं है, बल्कि इसे बेहद सटीकता और बारीकी के साथ तैयार किया गया है। इसमें सैकड़ों छोटे पुर्जों का उपयोग किया गया है और इसका वजन भी उल्लेखनीय है, जिससे यह वास्तविक मोटरसाइकिल जैसा अनुभव देता है। इसे कई आकर्षक रंगों में पेश किया गया है, जो कभी इस मोटरसाइकिल की पहचान रहे थे। इस खास माडल की बुकिंग सीमित समय के लिए खुली है और इसे कंपनी के आधिकारिक माध्यमों से खरीदा जा सकता है।

बुकिंग के लिए एक निश्चित अग्रिम राशि जमा करनी होती है, जिसके बाद यह विशेष माडल आपके संग्रह का हिस्सा बन सकता है।

मारुति सुजुकी बलेनो आ रही स्पोर्टी अवतार में

नई दिल्ली। प्रीमियम हैचबैक मारुति सुजुकी बलेनो जल्द ही और अधिक स्पोर्टी अवतार में पेश होने वाली है। कंपनी इसे 2026 की दूसरी छमाही तक बाजार में उतारने की तैयारी में है। साल 2022 के बाद यह बलेनो में पहला बड़ा अपडेट होगा। नई बलेनो में एक बिल्कुल नई ग्रिल, नया फ्रंट बंपर और नए डिजाइन की हेडलाइट्स दी गई हैं, जो इसे पहले से ज्यादा मस्कुलर लुक देंगी। इसमें क्लैमशेल शेप का बोनट और नए स्टाइल के अलाय व्हील्स भी मिलेंगे, जबकि फ्रंट ग्रिल के इंसर्ट्स पहले से ज्यादा बोल्ड दिखेंगे और इसमें नई एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स भी शामिल होंगी। केबिन के अंदर भी मारुति ने लग्जरी और सहूलियत पर पूरा ध्यान दिया है। 2026 बलेनो में एक बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम मिलने की उम्मीद है, जो वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्राइड आटो को सपोर्ट करेगा। इंटीरियर में नए मटीरियल और प्रीमियम ट्रिम्स का इस्तेमाल किया जाएगा, साथ ही इसमें अब एक आल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी दिया जा सकता है।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट, चांदी 10 हजार रुपये तक सस्ती हुई

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में लगातार तीसरे दिन सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। इसी तरह चांदी के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,42,330 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम सस्ता हो गया है। इस गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,420 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,480 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,380 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,980 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान द्वारा शांति वार्ता के दूसरे राउंड के प्रस्ताव को रिजेक्ट कर देने की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में दबाव की स्थिति बनी रही। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 292.96 अंक यानी 0.59 प्रतिशत गिर कर 49,149.60 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.63 प्रतिशत टूट कर 7,064.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 144.43

अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,259.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 220.27 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 49,369.65 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 110.99 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,498.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 95.33 अंक यानी 1.16 प्रतिशत लुढ़क कर 8,235.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 146.93 अंक यानी 0.61 प्रतिशत टूट कर 24,270.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 410.16 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,015.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 232.83 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,582 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की छलांग लगा कर 4,095.07 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत उछल कर 1,486.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 174 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,401 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4992.05 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 299.48 अंक यानी 1.14 प्रतिशत फिसल कर 26,188 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत लुढ़क कर 7,549.27 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 6,387.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एएम ग्रीन आईजीपीएल: शौर्य बिनू शीर्ष पर, चार खिलाड़ी कड़ी टक्कर में; अत्रि मुंबई टीम प्रतियोगिता में आगे

लुबुंबाशी (कांगो)

एएम ग्रीन इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) कांगो इनविटेशनल में भारतीय गोल्फर शौर्य बिनू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो राउंड के बाद बढ़त हासिल कर ली है।

22 वर्ष के होने वाले बिनू ने दूसरे राउंड में 9-अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाया, जो इस सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ कार्ड रहा। पहले राउंड में 1-अंडर 72 खेलने वाले बिनू अब कुल 10-अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं और निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से दो शाट आगे हैं।

बिनू के पीछे चार खिलाड़ी 8-अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इनमें मन्नत बरार (67-71), तुषार पन्नू (67-71), उदयन माने (70-68) और आर्यन रूपा आनंद (71-67) शामिल हैं।

बिनू ने चौथे होल पर पहला बर्डी लगाया और फिर छठे से लगातार तीन बर्डी के साथ नौवें होल पर ईगल लगाकर शानदार बढ़त बनाई। टर्न तक वह 6-अंडर पर पहुंच चुके थे।

बैक-नाइन में स्थिर खेल दिखाते हुए उन्होंने अंतिम चार होल में तीन बर्डी लगाकर अपना स्कोर 9-अंडर तक पहुंचाया।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन – उदयन माने ने 5-अंडर का राउंड खेलकर मजबूत वापसी की और बैक-टू-बैक जीत की उम्मीद बनाए रखी। वहीं, तुषार पन्नू ने 2-अंडर 71 का स्कोर बनाया, हालांकि कुछ बोगी के कारण वह और बेहतर नहीं कर सके।

आर्यन रूपा आनंद ने 6-अंडर 67 का शानदार कार्ड खेलकर फार्म में वापसी के संकेत दिए।

मन्नत बरार भी खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं और वह मिश्रित प्रो इवेंट जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला बनने का लक्ष्य रखती हैं।

अमन राज 6-अंडर के साथ छठे स्थान पर हैं, जबकि वरुण चोपड़ा, हरेंद्र गुप्ता और रणजीत सिंह 5-अंडर के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं।

टीम प्रतियोगिता में अत्रि मुंबई आगे – टीम स्पर्धा में अत्रि मुंबई 17-अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर है और दूसरे स्थान पर मौजूद होनर गुरुग्राम से छह शाट आगे है।

तीसरे स्थान पर औरो रियल्टी गोवा की टीम 8-अंडर के स्कोर के साथ बनी हुई है।

बिनू के शानदार फार्म के बावजूद उनके पीछे चल रहे चार खिलाड़ी खिताब के लिए कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। ऐसे में लुबुंबाशी में होने वाला अंतिम राउंड बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रीमियर लीगः ब्राइटन ने चेल्सी को 3-0 से हराया, रोसेनियर के नेतृत्व में खराब दौर जारी

ब्राइटन। इंग्लैंड की शीर्ष फुटबाल लीग प्रीमियर लीग में मंगलवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेल्सी को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ब्राइटन 50 अंकों के साथ अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया, जबकि चेल्सी सातवें स्थान पर खिसक गई। चेल्सी ने अपने पिछले नौ मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है और टीम का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक बना हुआ है। ब्राइटन ने मैच के तीसरे ही मिनट में बढ़त बना ली, जब फेर्दी कादियोग्लू ने कार्नर से मिले मौके को गोल में बदल दिया। पहले हाफ में चेल्सी एक भी शाट लक्ष्य पर नहीं लगा सकी। दूसरे हाफ में सुधार की उम्मीद थी, लेकिन टीम वापसी नहीं कर पाई। 56वें मिनट में जैक हिन्शेलवुड ने जार्जिनियो रटर के पास पर गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद डैनी वेलबेक ने अंत में तीसरा गोल कर चेल्सी की हार पक्की कर दी। कोच लियाम रोसेनियर ने टीम में बदलाव किए, लेकिन उसका कोई असर नहीं दिखा। चेल्सी लगातार पांचवें मैच में हार गई और इस दौरान एक भी गोल नहीं कर सकी। ब्राइटन की इस जीत से उसकी स्थिति मजबूत हुई है, जबकि चेल्सी के लिए अब आगे का रास्ता और कठिन होता जा रहा है।

डिविलियर्स ने किया था ताजमहल के सामने प्रपोज

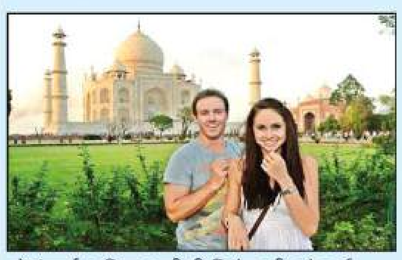

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी एबी डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण क्रिकेट जगत में छाये रहे हैं। मैदान पर चारों ओर शाट खेलने के कारण वह मिस्टर 360 के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। डिविलियर्स ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ये कहते हुए संन्यास ले लिया था कि उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताना है। उन्होंने अपने 14 साल के शानदार करियर में सबसे तेज शतक सहित कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। खेल के साथ ही मैदान के बाहर भी अपने अफेयर और शादी के लिए वह चर्चाओं में रहे हैं। इस दौरान भारत से भी उनका जुड़ाव इस कारण रहा कि उन्होंने शादी के लिए आगरा के ताजमहल के सामने प्रपोज किया था1 डिविलियर्स की पत्नी डेनियल डिविलियर्स भी एक सफल उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता रही हैं। वह प्रिटोरिया में एक इंडोर प्लेग्राउंड और कैफे चलाती हैं। डेनियल अक्सर चैरिटी के कामों में सक्रिय रहती हैं; आईपीएल 2016 के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से शेन वाटसन के साथ एक गाना भी गाया था, जिससे पता चलता है कि वह सामाजिक जिम्मेदारियों को भी निभाती हैं। डिविलियर्स और डेनियल का अफेयर साल 2007 में हुई, जब डिविलियर्स डेनियल के माता-पिता के होटल में दोपहर के भोजन के लिए गए थे।

अब तक खेलने का अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं होल्डर

मुम्बई। आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम में शामिल वेस्टइंडीज के अनुभवी आलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा है कि अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से निराश नहीं हैं। होल्डर ने कहा है कि वह अपनी ओर से पूरी तरह तैयार हैं और जो भी अवसर मिलेगा उसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। होल्डर के अनुसार उनका मुख्य काम केवल अपने को तैयार रखना है। अंतिम ग्यारह में किसे अवसर मिलता है ये उसका काम नहीं है। वहीं होल्डर को अब तक अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान हैं। इस सत्र में वह अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाये हैं। इस क्रिकेटर ने कहा, कब खेलना है, कौन खेलेगा इन बातों में वह नहीं पड़ते। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की जरूरतें उनके लिए सबसे ऊपर हैं और वह किसी भी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चाहे वह बल्लेबाजी क्रम में कोई भी स्थान हो या गेंदबाजी में, होल्डर का कहना है कि अब उनका ध्यान हालातों के अनुसार अपने को ढालने पर है। टीम जहाँ भी उन्हें इस्तेमाल करेगी, वही उनके लिए सही भूमिका होगी। टाइटंस ने अब तक के मैचों में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है पर इस आलराउंडर को अवसर नहीं दिया है।

सनराइजर्स से मिली हार पर अक्षर बोले, ऐसी बल्लेबाजी के सामने कोई क्या कर सकता है

हैदराबाद

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में हमारी हार का कारण अभिषेक शर्मा का शतक रहा। अक्षर ने कहा कि इस मैच में जिस प्रकार से अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली उससे मैच हमारे हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि अगर कोई ऐसी विस्फोटक बल्लेबाजी करे तो विरोधी कप्तान भी कुछ नहीं कर सकता है। इस मैच में कैपिटल्स को सनराइजर्स के हाथों 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। मैच के दौरान अभिषेक के सामने कैपिटल्स के गेंदबाजों असहाय नजर आये। अभिषेक ने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाये।

अक्षर ने कहा, इस मैच में हमें रनआउट और कैच लेकर अभिषेक को आउट करने के मौके मिले थे पर हम उनका लाभ नहीं उठा पाये। वहीं अगर हम सफल रहते तो सनराइजर्स को कम स्कोर पर समेट सकते थे। हालांकि इससे बाद भी जिस प्रकार से अभिषेक और हेनरिक क्लासेन ने बल्लेबाजी की उसके लिए हमें इन्हें जीत का श्रेय देना ही होगा। हमारी टीम ने अपनी ओर से पूरे प्रयास किये इसके बाद भी इन्हें रोक नहीं पाये। साथ ही कहा कि जब कोई बल्लेबाज इस तरह बल्लेबाजी करता है, तो कोच और कप्तान को यह मानना होता है कि वह भी किसी को रोक नहीं सकता। कैपिटल्स के कप्तान ने साथ ही कहा, मैंने गेंदबाजों से भी यही कहा कि अगर तुमने अपनी ओर से अच्छी गेंदबाजी की और इसके बाद भी शाट जाता है तो तुम कुछ नहीं कर सकते हो। ऐसी हालत में केवल फिल्डर ही अपने प्रदर्शन को बेहतर कर बल्लेबाज को रन आउट या कैच कर सकते थे। अक्षर ने कहा कि उनकी टीम अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर रही है, ऐसे में अब टीम में बदलाव की जरुरत नहीं है। दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक 6 मैच खेले हैं जिसमें से उसे तीन में जीत और इतनी ही हार मिली है। टीम इससे अंक तालिका में पांचवे नंबर पर है।

टेबल टेनिस: निर्वाण, कियान और यदुवीर की विजयी शुरुआत

इंदौर। अभय प्रशाल के वुडन कोर्ट पर मंगलवार से नन्हे पैडलर्स की चपलता और सधे हुए शाट्स का रोमांच शुरू हो गया। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन द्वारा आयोजित सत्र की प्रथम रैंकिंग स्पर्धा के शुरुआती दिन पी. निर्वाण, कियान इंगले और यदुवीर सिंह ने टेबल पर अपनी धाक जमाते हुए प्रतिद्वंद्वियों को एकतरफा अंदाज में शिकस्त दी। बालक और बालिका अंडर-11 वर्ग के मुकाबलों में जहाँ शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने तकनीकी श्रेष्ठता दिखाई, वहीं अंडर-13 वर्ग में कड़े संघर्ष के बीच जीत-हार का फैसला हुआ। अंडर-11 आयु वर्ग में पी. निर्वाण ने नव्य हुंडिया को सीधे सेटों में 3-0 से हराकर अपने अभियान का सफल आगाज किया। कियान इंगले ने कियान सलूजा को और यदुवीर सिंह ने पलवीत गोयल को 3-0 से पराजित कर अपनी लय जाहिर की। अन्य मुकाबलों में शुभम अग्रवाल ने आर्यन जैन को 3-0 से और रेयांश बड़ज्ञान ने प्रणव खेमकर को 3-0 से मात दी। दिन का सबसे संघर्षपूर्ण मैच रेयांश कुशवाहा और वेदांत चौहान के बीच रहा, जिसमें रेयांश ने धैर्य बरकरार रखते हुए 3-2 से जीत हासिल की। अंडर-13 वर्ग में पुण्यांश जैन और श्रेयांश जैन ने भी अपने-अपने मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, बालिका अंडर-11 वर्ग में भाव्यांशी सोनी ने आरोही मोदी के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। अनुष्का हजारी, अनिका राठौर और अनिंदिता ने अपने मुकाबले 3-0 के अंतर से जीतकर तकनीकी मजबूती का परिचय दिया। सिद्धि दुबे ने विदिता यादव को 3-0 से हराया। अंडर-13 वर्ग में नैवेद्य भारती और धृति मेहता को जीत के लिए पसीना बहाना पड़ा; दोनों ने क्रमश: रितन्या गुप्ता और ईरा बारोद को कड़े मुकाबले में 3-2 से शिकस्त दी। सावी गर्ग ने प्रिशी जैन पर 3-0 से आसान जीत दर्ज की। स्पर्धा का औपचारिक शुभारंभ बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक पंकज उपाध्याय के मुख्य आतिथ्य और मप्र ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर मप्र टेबल टेनिस संगठन से जयेश आचार्य, प्रमोद सोनी, रिंकू आचार्य, जिला सचिव नीलेश वेद और गौरव पटेल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे।

कोपा इटालियाः इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़कर कोमो को 3-2 से हराया, फाइनल में जगह बनाई

मिलान

इटली की प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता कोपा इटालिया में इंटर मिलान ने शानदार वापसी करते हुए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में कोमो को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहला चरण गोलरहित रहने के बाद खेले गए इस मुकाबले में इंटर ने दो गोल से पिछड़ने के बावजूद जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में खुद को मजबूत बनाए रखा है।

कोमो के लिए मार्टिन बाटुरीना और कप्तान लुकास दा कुन्हा ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद इंटर मिलान की ओर से हाकान चाल्हानोग्लू ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहले जोरदार लंबी दूरी का शाट लगाकर टीम की वापसी कराई और फिर 86वें मिनट में हेडर के जरिए बराबरी दिलाई। मैच के 89वें मिनट में पेटार सुचिच ने चाल्हानोग्लू के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए विजयी गोल दागा।

इंटर मिलान अब फाइनल में पहुंच गया है, जो 13 मई को खेला जाएगा। दूसरी सेमीफाइनल में अटलांटा और लाजियो के बीच मुकाबला होना है, जहां पहला चरण 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था।

इंटर मिलान इस समय इटली की शीर्ष लीग सीरी ए में भी शीर्ष पर चल रहा है और इस सप्ताहांत खिताब अपने नाम कर सकता है।

गौरतलब है कि इंटर ने आखिरी बार 2010 में कोच जोसे मोरिन्हो के नेतृत्व में लीग, कप और चैंपियंस लीग जीतकर ट्रेबल हासिल किया था।

इंटर मिलान ने इससे पहले 2023 में अपना आखिरी कोपा इटालिया खिताब जीता था और अब टीम एक बार फिर इतिहास दोहराने के करीब पहुंच गई है।

कप्तान के तौर पर धोनी और रोहित को टक्कर देते नजर आ रहे श्रेयस

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कप्तानी के आंकड़ों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड सबसे बेहतर माना जाता है। इन दोनों दिग्गजों ने अपनी-अपनी टीमों को पांच-पांच बार खिताब जिताया है। वहीं अब पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इन दोनो ही दिग्गजों को टक्कर देते हुए नजर आ रहे हैं। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को जीत दिलायी थी जबकि पिछली बार उनकी कप्तानी में पंजाब उपविजेता रही थी। हाल के आंकड़ों को देखें तो अय्यर कप्तानी के मामले में तेजी से आगे आये है। उन्होंने अब तक कुल 93 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम ने 55 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि उसे केवल 35 में ही हार मिली है। इस प्रकार उनका जीत का प्रतिशत 59.13 है, जो उन्हें आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों की सूची में शीर्ष स्तर पर पहुंचा रहा है। उन्होंने केकेआर और पंजाब के अलावा दिल्ली कैपिल्स की भी कप्तानी की है।

एनबीए प्लेआफ्स: विक्टर वेम्बन्यामा को कन्कशन, सैन एंटोनियो स्पर्स को बड़ा झटका

पोर्टलैंड

नेशनल बास्केटबाल एसोसिएशन (एनबीए) प्लेआफ्स में सैन एंटोनियो स्पर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी विक्टर वेम्बन्यामा को मैच के दौरान सिर में चोट (कन्कशन) लगने के बाद लीग के कन्कशन प्रोटोकाल में रखा गया है।

यह घटना मंगलवार रात पोर्टलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान हुई, जिसमें सैन एंटोनियो को 106-103 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वेस्टर्न कान्फ्रेंस के पहले दौर की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है।

दूसरे क्वार्टर में एक प्रयास के दौरान वेम्बन्यामा गिर पड़े और उनका चेहरा सीधे कोर्ट से टकराया। वह खुद को संभाल नहीं सके और करीब 30 सेकंड तक कोर्ट पर ही लेटे रहे। इसके बाद मेडिकल टीम ने उनका निरीक्षण किया और उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। टीम के कोच मिच जानसन ने पुष्टि की कि वेम्बन्यामा को कन्कशन हुआ है और अब वह लीग के तय नियमों के तहत रिकवरी प्रक्रिया से गुजरेंगे। नियमों के अनुसार, खिलाड़ी को कम से कम 48 घंटे का आराम करना होता है और इसके बाद विभिन्न मेडिकल जांचों से गुजरना पड़ता है। पूरी तरह फिट घोषित होने के बाद ही वह मैदान पर वापसी कर सकता है। सीरीज का तीसरा मुकाबला शुक्रवार को पोर्टलैंड में खेला जाएगा, लेकिन वेम्बन्यामा के उसमें खेलने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। वेम्बन्यामा इस सीजन में शानदार फार्म में रहे हैं। उन्होंने औसतन 25 अंक, 11.5 रिबाउंड और 3.1 ब्लाक प्रति मैच दर्ज किए। हाल ही में उन्हें डिफेंसिव प्लेयर आफ द ईयर अवार्ड भी मिला है। उनकी गैरमौजूदगी में ल्यूक कार्नेट ने सेंटर की भूमिका निभाई और 10 अंक व 9 रिबाउंड का योगदान दिया।

साथी खिलाड़ी डेविन वासेल ने कहा कि टीम को अब एकजुट होकर खेलना होगा और वेम्बन्यामा की कमी को पूरा करने की कोशिश करनी होगी।

शूटिंग लीग ऑफ महाराष्ट्रः सोबो जायंट्स बना पहला चैंपियन

पुणे

महाराष्ट्र में पहली बार आयोजित शूटिंग लीग आफ महाराष्ट्र का समापन शानदार अंदाज में हुआ, जिसमें सोबो जायंट्स ने खिताब अपने नाम किया। इस लीग ने राज्य में शूटिंग खेल की गहराई और प्रतिभा को एक बार फिर साबित किया।

यह लीग भविष्य में होने वाली शूटिंग लीग आफ इंडिया की तैयारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य खेल के लिए एक मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक ढांचा तैयार करना है।

मिक्स्ड टीम फाइनल में सोबो जायंट्स ने पालघर गोल्डन फिंगर को 17-7 से हराकर खिताब जीता। वहीं, तीसरे स्थान के मुकाबले में आम्ही पुणेकर ने सांगली अल्फा लायंस को 16-14 से हराया।

व्यक्तिगत और टीम प्रदर्शन भी रहा शानदार

- सर्वश्रेष्ठ राइफल शूटर: गोजिरी (अमरावती धुरंधर) – 55 हिट
- सर्वश्रेष्ठ पिस्टल शूटर: जाज (सोबो जायंट्स) – 42 हिट
- सर्वश्रेष्ठ राइफल टीम: अमरावती धुरंधर – 89 हिट
- सर्वश्रेष्ठ पिस्टल टीम: सोबो जायंट्स – 72 हिट

नए खिलाड़ियों को मिला बड़ा मंच

इस लीग में महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों के उभरते और अनुभवी निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। टीम आधारित इस प्रारूप ने ग्रासरूट स्तर और शीर्ष स्तर के बीच की दूरी को कम करने में अहम भूमिका निभाई।

दिग्गजों ने की सराहना

पूर्व विश्व नंबर-1 और ओलंपियन अंजलि भागवत ने कहा कि इस तरह का प्रारूप खिलाड़ियों को दबाव में खेलने का अनुभव देता है, जो भविष्य में बड़े मंचों पर मददगार होगा।

पूर्व ओलंपियन दीपाली देशपांडे ने इसे महाराष्ट्र राइफल संघ के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया और अगले वर्ष और बेहतर आयोजन का भरोसा जताया।

भारतीय टीम के कोच और दिग्गज शूटर रोनक पंडित ने कहा कि ऐसी लीग शूटिंग को आम लोगों के करीब लाने में मदद करती हैं और खेल को अधिक आकर्षक बनाती हैं।

यह लीग देश की दूसरी राज्य स्तरीय शूटिंग लीग है, इससे पहले कर्नाटक में भी सफल आयोजन हो चुका है। शूटिंग लीग आफ महाराष्ट्र ने अपने पहले ही संस्करण में यह साबित कर दिया है कि भारत में शूटिंग खेल को फ्रेंचाइज़ी आधारित ढांचे की ओर ले जाने की दिशा में यह एक मजबूत कदम है।

अच्छे दिन की शुरूआत के लिए अपनाएं ये उपाय

अच्छी दिनचर्या से शरीर को हैल्दी और खूबसूरत आजीवन बनाया रख जा सकता है। अधिकांश महिलाओं को कोई बीमारी नहीं होती, उनकी सिर्फ जीवनशैली गलत होती है। गलत जीवनशैली से शरीर का पूरा सिस्टम ही गडबडा जाता है और इस सिस्टम के सुधरने पर ही स्वास्थ्य एवं सौंदर्य में निखार आता है।

- महिलाएं सुबह बिस्तर छोडते ही काम में लग जाती हैं। उन्हें अपने खानपान की तरफ जरा भी ध्यान नहीं होता है। उनकी यह आदत धीरे-धीरे उन्हें कमजोर और कांतिहीन बना देती है।
- सुबह का नाश्ता करने के बाद ही घर के कार्यों में लगें। दिन के इस बससे कीमती भोजन को छोडने का अर्थ है कि आप अपने दिन का प्रारंभ उपवास से करती हैं, जो आपकी सेहत के लिए एक दिन खतरनाक साबित हो सकता है।
- पानी हल्का गुनगुना पानी पीएं। अगर आपको डाइजेशन की प्रॉब्लम है, तो ठंडा पानी कतई न पीएं। अगर आप सीधे नल का पानी पीते हैं, तो वॉटर प्यूरिफायर लगवा लें। पानी के टेस्ट को बदलने के लिए नींबू या ऑरेंज स्कवैश मिलाकर भी पी सकते हैं।

- शारीरिक श्रम के अनुकूल भोजन करें। जैसा काम हो वैसा भोजन बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। आप वर्किंग लेडी हैं। दिन भर ऑफिस में काम करती हैं और घर आकर भी घरेलू कार्य करती हैं तो आपको अधिक कैलोरी की जरूरत है।
- खाने का समय तय न होने पर पेट से अधिक दिल पर खतरा बढ जाता है। आप कब खाती हैं, यह आपके पौष्टिक आहार से भी अधिक महत्वपूर्ण है। आप जैसा भी भोजन करें, पर निश्चित समय पर करें और भूख रोकने की गलत आदत से बचें। भूख एक नेयुरल क्रिया है और इसे रोकने पर आपके स्वास्थ्य पर खतरा बढ जाता है।
- महिलाओं को मांसपेशियों संबंधी अधिक समस्या होती हैं क्योंकि वे व्यायाम करना पसंद नहीं करती हैं। मांसपेशियों को स्वस्थ एवं सुदृढ रखने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक है क्योंकि मांसपेशियां मजबूत होने पर ही खाया-पिया शरीर में लगता है और आप डाइट को ढंग से पचा पाती हैं।
- वैसे तो फलों का जूस पीने की बजाय इन्हें खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। दरअसल, जब हम जूस पीते हैं, तो उसमें मौजूद शुगर हमारे ब्लड में जल्दी घुल जाती है। इसलिए जूस को लाइट करने के लिए इसमें थोड़ा पानी मिला दें। एक कप जूस में तीन-चौथाई हिस्सा पानी का रखें।
- कॉफी में से कैफीन निकाल देने के बाद डीकैफ कॉफी तैयार की जाती है। इसमें बहुत थोड़ी मात्रा में टेबल क्रीम या दूध डाला जाता है और शुगर, हनी या आर्टिफिशियल स्वीटनर की बहुत कम मात्रा भी डाल सकते हैं।
- हर्बल टी कैफीन फ्री हर्बल टी बेहतरीन लिक्व्ड है। इसमें पेपरमिंट व कैमोमाइल है, जो डाइजेस्टिव सिस्टम की प्रॉब्लम्स व सूजन को कम करते हैं। यह आपको फ्रेशनेस भी देती है।

अब तनाव को भी कम करेगा प्रोटीन

प्रोटीन एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। इससे न केवल बीमारियों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है, बल्कि कई शारीरिक क्रियाएं भी संचालित होती हैं। अब ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने ऐसा नया प्रोटीन ढूंढने का दावा किया है जो तनाव को कम करने में भी सक्षम है। तनाव के चलते शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने में प्रभावी नए प्रोटीन को टीआरपीवी-1 का नाम दिया गया है।

ब्रेन ट्यूमर को खत्म कर सकते हैं स्टैम सैल

हार्वर्ड के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि स्टैम सैल की मदद से ब्रेन ट्यूमर को खत्म किया जा सकता है। इस खोज में मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल ने भी मदद की है। वैज्ञानिकों ने इस संबंध में चूहों पर प्रयोग किया। उन्होंने पाया कि ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त जिन चूहों को स्टैम सैल की खुराक दी गई उनमें इस बीमारी से लड़ने की ताकत बढ़ गई।

क्या आपको हो सकती हैं ये 8 खतरनाक बिमारियां

आपका चेहरा जैसे आपके दिल की बात बताती है उसी तरह आपके सेहत के संकेत भी देते हैं। रूखी त्वचा, फटे होंठ और झुर्रियां जैसी छोटी-मोटी समस्या घरेलू उपायों से ठीक की जा सकती हैं, मगर कभी-कभी यह समस्या किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी होती है। इसलिए हर समय इन छोटे संकेतों को बढ़ते उम्र का नाम देकर नजरअंदाज़ न करें, तुरन्त किसी त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लें।

कैसे एक आहार विशेषज्ञ इन संकेतों के द्वारा हेल्थ स्टेट्स के बारे में पता लगाते हैं।

असमय झुर्रियों का आना

वैसे तो चेहरे पर झुर्रियों का आना किसी को भी अच्छा नहीं लगता है लेकिन उम्र के लक्षणों को रोका नही जा सकता। लेकिन हर समय यही कारण नहीं होता है, महिलाओं में असमय झुर्रियों का आना आस्टिओपरोसिस के प्रथम लक्षण होते हैं। क्रोनोस लॉगजिविटी रिसर्च इंस्टीच्युट इन फोनिक्स के अध्ययन के अनुसार समय से पहले जिन महिलाओं को मेनोपोज हो जाता है उनका बोन डेन्सिटी कमजोर और असमय झुर्रियों की समस्या होती है। विटामिन डी का अत्यधिक और कम होना असमय झुर्रियों के कारण होता है।

चेहरे पर अवांछित बाल

चेहरे पर अवांछित बाल किस महिला को अच्छा लगता है, लेकिन इसके अलावा भी एक बात सोचने वाली यह है कि पॉलिसिस्टिक ऑवरी सिंड्रोम के भी लक्षण हो सकते हैं। इसके लिए लड़कियों को इनफर्टिलिटी, अनियमित मासिक धर्म जैसी समस्याएं होती है। इसलिए अवांछित बालों को साफ करने के लिए वैक्सिंग, थ्रेडिंग करने ब्यूटीपार्लर जाने से पहले इसके पीछे छुपे कारण की पहले जांच करें।

अत्यधिक रूखी त्वचा

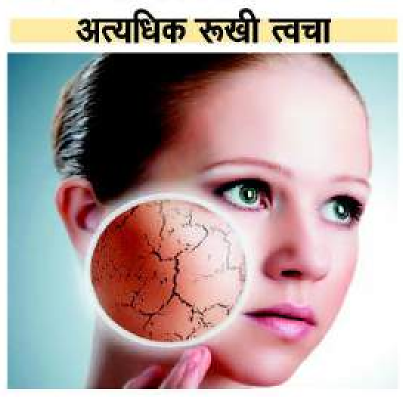

मौसम के बदलाव के कारण कभी-कभी त्वचा रूखी हो जाती है और देखरेख के बाद वह ठीक हो जाती है। लेकिन जब आप यह देखें कि स्किन को हाइड्रेड करने, सही खाना खाने, मॉश्चराइज करने के बावजूद पूरा शरीर रूखा ही रह जा रहा है तो वह डाइबीटिज के प्रथम लक्षण है। जब आपके पैर और हाथ की त्वचा ज्यादा रूखी नजर आ रही है तो इसका मतलब है कि यह हृदय के बीमारी के लक्षण है। कभी-कभी ऑक्सिजन की कमी का कारण भी त्वचा रूखी हो जाती है जो सराइअसिस के लक्षण होते हैं।

गर्दन पर पिग्मेन्टेशन

यदि सनबर्न के उपचार और स्क्रबिंग के बाद गर्दन का पिग्मेन्टेशन नहीं जा रहा है तो यह डाइबीटिज, एलर्जी के लक्षण भी हो सकते है। यहां तक कि रैशेज सराइअसिस के लक्षण भी हो सकते हैं।

मस्सा

वैसे तो मस्सों से किसी नुकसान की संभावना नहीं होती है सिर्फ यह बढ़ता रहता है। लेकिन मस्से का रंग और आकार आम मस्से से अलग हो तो स्किन कैंसर मेलानोमा के लक्षण होते हैं। लीवर प्रॉब्लम के कारण भी यह होता है।

रैशेज या चेहरे पर लाल आभा

डर जाने से, थक जाने से, या शर्मिंदगी महसूस होने से चेहरे पर लाली छा सकती है मगर जब ठोढ़ी और नाक पर लाल रैशेज नजर आते हैं तब एसएलइ के यह लक्षण होते हैं। चेहरे पर मुहांसे जैसे ब्रेकआउट्स रोसिया जो रक्त कोशिका के बढ़ने के कारण होता है। यहाँ तक कि यह एच.आई.वी इन्फेक्शन के प्रथम संकेत के लक्षण भी हो सकते है।

फटे होंठ

यह आम तौर पर मौसमी सर्दी-खांसी के कारण भी होते है। या विटामिन सी, दवाई से एलर्जी, थॉयराइड आदि के कमी के कारण नमी की कमी हो जाती है। लेकिन इसके साथ जब आपकी आंखे, मुंह, रूखी त्वचा और जोड़ो में दर्द हो रहा हो तो यह लक्षण इम्यून सिस्टेम के डिसऑडर के लक्षण होते है।

सूजा चेहरा

शरीर में जल की अधिकता के कारण इडिमा रोग होता है जो किडनी के सही तरह से कम न करने या रक्त के सही तरह से पंप न करने के कारण चेहरा सूज जाता है। इसलिए अब जब भी आपको अपने चेहरे पर यह लक्षण नजर आए तो घरेलू उपचार करने के जगह पर तुरन्त डॉक्टर से सलाह लें।

ये आदतें जिंदगी के लिए हो सकती हैं खतरनाक

लंबे जीवन की ख्वाहिश हर कोई रखता है। लेकिन रोज हम कुछ ऐसे काम करते हैं, जो हमारी जिंदगी को कम कर देते हैं। विभिन्न शोधों में पता चला है कि साधारण दिखने वाली कुछ आदतें जिंदगी के लिए खतरनाक हो सकती हैं।

टीवी देखना

ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन में छपे एक शोध के अनुसार, ज्यादा टीवी देखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। शोध के मुताबिक, एक घंटा टीवी देखने से जिंदगी के 22 मिनट कम हो जाते हैं, यानी अगर रोज छह घंटे टीवी देखना जीवन से औसतन पांच साल कम कर देता है।

बैठे रहना

कई शोधों में साबित हो चुका है कि लगातार बैठे रहने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जामा इंटरनल मेडिसिन के शोध के मुताबिक, दिन में लगातार ग्यारह घंटे बैठने से बीमारियों से मौत का खतरा 40 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इसलिए काम के बीच में थोड़ी देर ठहलना चाहिए।

बेरोजगारी

बेरोजगारी की वजह से कई युवा खुदकुशी कर लेते हैं या उनकी अचानक मौत हो जाती है। शोधकर्ताओं ने 15 देशों में 40 साल तक दो करोड़ लोगों पर शोध किया। शोध में पता चला कि बेरोजगार लोगों में अचानक मौत का खतरा नौकरीपेशा लोगों की तुलना में 63 प्रतिशत ज्यादा होता है।

वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक प्रणाली का काउंसलर्स और साइकैट्रिस्ट भी कर रहे उपयोग

गुस्से को दूर कर सुकून देती है फॉरगिवनेस थैरेपी

माफ कर देना केवल बड़प्पन का ही काम नहीं, इससे आपके मन को भी सुकून मिलता है। एक तरह से यह बिलकुल किसी चिकित्सीय थैरेपी की भांति प्रक्रिया होती है। तो बस एक बार आजमाइए 'फॉरगिवनेस थैरेपी' और महसूस कीजिए इसका कमाल।

कई बार मनुष्य के जीवन में कुछ ऐसे वाकये होते हैं, जो दिमाग में गहरे बैठ जाते हैं और किसी व्यक्ति-विशेष के प्रति हमेशा उसके गुस्से की आग को भड़काए रखते हैं। ऐसे में व्यक्ति वाकये के याद आते ही चिड़चिड़ा हो जाता है, क्योंकि वह गुस्सा निकाल नहीं सकता। यहाँ तक कि किसी खुशी की बात पर भी वह उस बीती बात को याद कर दुःखी होने लगता है। असल में इसलिए कि आपके मन की पीड़ा मिटाना जरूरी है। यह आपके हित में है। ऐसा करने से आपका क्रोध नुकसानदायक नहीं रहेगा।

इस विषय पर जॉन क्रिस्टॉफ अर्नोल्ड ने 'व्हाय फॉरगिव' नामक किताब लिखी है। जिसका तर्क है क्रोध या बदले की भावना को धो डालना। ऐसी समस्या का निराकरण यह है कि फॉरगिवनेस थैरेपी अपनाई जाए। आइए, जानते हैं यह थैरेपी क्यूं जरूरी है और कैसे कार्य करती है-यूं तो यह कोई नई थैरेपी नहीं है, लेकिन अब यह वैज्ञानिक रूप से प्रामाणिक प्रणाली बन गई है। सभी काउंसलर्स, साइकैट्रिस्ट भी इसका उपयोग कर रहे हैं। सवाल यह है कि माफ क्यूं

किया जाए? महान बनने के लिए, भूल जाने के लिए या किसी ने कहा है इसलिए?

समस्या को पहचानें

सबसे पहले उस समस्या को पहचानें। उसके कारण और परिस्थितियों को समझें। बस, हल शुरू हो गया। कारण में कोई घटना, व्यक्ति का व्यवहार या प्रताड़ना हो सकते हैं। फिर यह सोचना शुरू करें कि ऐसा क्यों हुआ? अब विशेषज्ञों की बात मानें। जी हां! विशेषज्ञों के अनुसार माफ करने का तरीका यह है कि उस व्यक्ति की निजी, पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों में स्वयं को रखकर देखा जाए। उस स्थिति को जीकर देखें। इससे आपको सब स्वाभाविक लगेगा।

नामुमकिन है दर्द को भूलना

सामने वाले ने जो कष्ट दिए थे, वे कुछ हल्के लगेंगे। इस अभ्यास को दोहराएं। जी हां! माफ करके भूल जाओ गलत है, क्योंकि दर्द को भूलना नामुमकिन है। माफ करके याद रखो यही सिद्धांत है। बस याद रखना है व्यक्ति की परिस्थिति को। बार-बार जब आप इस स्थिति में जिएंगे तो आपको उसका व्यवहार उचित लगने लगेगा और यहीं से शुरू होगा इलाज।

कम होगा गुस्सा

बदले की भावना के अंत के साथ गुस्सा कम होता जाएगा। वह बुरी घटना स्वाभाविक लगने लगेगी। यह थोड़ी धीमी प्रक्रिया है, लेकिन वाकई कारगर है। महसूस करके निजात पाना है, खुद से इलाज करके उबरना है। आजमाकर देखिए।

गर्मी में बढ़ जाता है फूड पॉयजनिंग का खतरा

गर्मी के दिनों में फूड प्वॉजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में हम खाने-पीने में सावधानी बरत कर इन चीजों से बच सकते हैं। फूड प्वॉयजनिंग तब होती है जब आप ऐसे भोजन या पानी का सेवन करते हैं जिसमें बैक्टीरिया, परजीवी विषाणु, वायरस तथा इन कीटाणुओं द्वारा पैदा किए गए विषैले तत्व मौजूद होते हैं। घर से बाहर भोजन करने पर भी फूड प्वॉयजनिंग हो जाती है। यदि भोजन बनाने में साफ-सफाई का पूरा ध्यान न रखा जाए तो इसका खतरा अधिक रहता है। बिना साफ-सफाई के भोजन, अच्छी तरह न धुले बर्तन, फ्रिज से बहुत देर तक बाहर रखा गया सलाद, सही तापमान पर न रखे गए खाद्य पदार्थ, अच्छी तरह साफ न की गई सब्जियां तथा फल फूड प्वायजनिंग का मुख्य कारण होते हैं।

कब होता है अधिक खतरा...?

फूड पॉयजनिंग की संभावना वृद्धों, गर्भवती महिलाओं, नन्हे शिशुओं तथा बच्चों, डायबिटीज, लिवर रोग या एड्स जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में अधिक होती है। इसके सामान्य लक्षण खाना खाने या दूषित पानी पीने से 2 से 6 घंटे भीतर सामने आने लगते हैं। इनमें शामिल हैं पेट में ऐंठन, डायरिया, बुखार तथा कंपकंपी, सिर दर्द, उलटी आना तथा कमजोरी। फूड पॉयजनिंग होने पर डाक्टर इसके संकेतों की गंभीरता की जांच करता है, जिसमें डीहाईड्रेशन शामिल है। अधिकांशतः कुछ दिनों में इसका उपचार हो जाता है।

क्या किया जाए उपचार...?

डॉक्टर का उद्देश्य होता है कि लक्षणों को दूर भगाए और आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ मिल सके। इसके लिए आपको आवश्यकता है कि डायरिया को मैनेज करें। उलटी तथा उबकाई पर नियंत्रण करें। पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन तथा आराम करें। यदि आपको डायरिया, बुखार इत्यादि है तो डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवा न लें। डॉक्टर की सलाह के बिना फूड प्वॉयजनिंग से पीड़ित बच्चों को कोई दवा न दें। फूड पॉयजनिंग के कारण आर्थराइटिस, रक्तस्राव की समस्याएं, नर्वस सिस्टम को नुक्सान, किडनी की समस्याएं तथा दिल के आसपास के ऊतकों में सूजन इत्यादि जटिलताएं हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

रेसिपी

मूंगदाल की कढ़ी

सामग्री

1 लीटर छाछ, 1/2 कप मूंग दाल का पेस्ट, डेढ़ कप उबली हुई सब्जियां (मटर, फूलगोभी, फलियां, गाजर), 1/2 टे.स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 टे.स्पून अदरक (बारीक कटा हुआ), 1/2 टी स्पून जीरा, 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टे.स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), नमक स्वादानुसार, 1 प्याज बारीक कटी, 1 टमाटर (कटा हुआ), सजाने के लिए धनिया।

विधि

एक भारी तले के बर्तन में दाल का पेस्ट और छाछ को अच्छी तरह मिलाकर पकाएं। दस मिनट तक लगातार चलाते रहें। आंच को धीमी करके आधे घंटे तक पकने दें। अब इसमें उबली हुई सब्जियां डालकर 15 मिनट तक पकाएं। तड़का लगाकर, बारीक कटे हरे धनिये से सजाकर गर्मागर्मा रोटी के साथ सर्व करें।

पचरंगा पुलाव

सामग्री

2 कप बासमती चावल, 1 शिमला मिर्च, 6-8 फ्रेंच बीन्स, 1 गाजर, 8-10 फूलगोभी (छोटे टुकड़े), 2 प्याज, 3 टे.स्पून शुद्ध घी, 1 टी स्पून जीरा, 1 इंच का टुकड़ादाल चीनी, 3-4 छोटी इलायची, 3-4 लौंग,1 काली मिर्च (साबुत), 2 तेज पत्ता, 1/4 कप हरी मटर के दाने, नमक स्वादानुसार।

विधि

चावल को साफ कर धो लें और आधे घंटे के लिए पानी में भिगोएं। शिमला मिर्च धोकर बीच में से काटें। बीज निकाल कर आधा इंच के टुकड़े कीजिए। गाजर धो कर छील लें व उसके आधे इंच के टुकड़े कीजिए। इसी तरह गोभी को धोकर नमक युक्त गरम पानी में पांच मिनट तक रखिए और पानी से बाहर निकालिए। प्याज छीलिए और पतले लंबे टुकड़े काटिए। भारी तली के बर्तन में घी गरम कीजिए और उसमें जीरा, दालचीनी, छोटी इलायची, लौंग, काली मिर्च व तेज पत्ता डालिए और अच्छी तरह हिलाएं। उसमें प्याज डालकर दो-तीन मिनट तक होने तक हिलाइए। कटी गाजर, फ्रेंचबीन्स, गोभी और हरी मटर डालिए और एक मिनट तक पकाएं। अब इसमें भीगे हुए चावल डाल दें और एक मिनट हिलाइए। चार कप पानी और नमक भी डालें। एक उबाल आने दीजिए। उसके बाद मध्यम आंच पर तीन से चार मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए, पानी के सूख जाने तक पकाइए। इसमें शिमला मिर्च डालिए। आंच कम कीजिए, ढकिए और छह से आठ मिनट तक या चावल और सब्जियों के पक जाने तक पकाइए। आंच से उतार लें और पांच मिनट तक बिना ढक्कन ढके रखें। अब दही अथवा पुदीने की चटनी के साथ गर्मागर्म पचरंगा पुलाव परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**